RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 49 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्त्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 2 दिसंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

पहले ही दिन RBI की डिजिटल करेंसी ने बनाया रिकार्ड, चार शहरों जारी हुए इतने करोड़

नईदिल्ली (एजेंसी)। एक दिसंबर को देश में आरबीआई ने डिजिटल करेंसी लॉन्च कर दी है। लॉन्च होने के बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने पहले ही दिन 1.71 करोड़ रुपए जारी किए। पायलट प्रोजेक्ट में शामिल चार बैंकों ने चुनिंदा शहरों के लिए की थी डिजिटल करेंसी जारी की थी। आने वाले दिनों में बैंकों की तरफबढ़ती जरूरतों के हिसाब रिजर्व बैंक और डिजिटल रुपए जारी करेगा। पहले चरण में डिजिटल रुपये को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में लांच किया गया

पहले चरण की शुरुआत देश भर के चार शहरों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के माध्यम से हुई है। अगले चरण में बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक को इस पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किया जाएगा। पायलट दूसरे चरण में अहमदाबाद, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना और शिमला तक डिजिटल रुपए के विस्तार की योजना है।

कैसे कर सकते हैं लेन-देन

रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाने वाला E-Rupee एक डिजिटल टोकन की तरह से काम करेगा। CBDC आरबीआई की ओर से जारी किए जाने वाले करेंसी नोट का डिजिटल रूप है। डिजिटल रुपए का लेनदेन पर्सन टू पर्सन (PwP) और पर्सन टू मर्चेंट (PwM) दोनों किया जा सकता है। इसके अलावा अगर आपको मर्चेंट को पेमेंट करना है, तो आप उसके पास मौजूद QR कोड को स्कैन कर पेमेंट कर सकते हैं। डिजिटल रुपये का लेन-देन बैंकों ई-वॉलेट के माध्यम से किया जा सकता है।

कोविड-19ः देश में खत्म होने की कगार पर कोरोना, अप्रैल 2020 के बाद सबसे कम केस, दो मरीजों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण को लेकर देश में आज राहत की खबर सामने आई है। दरअसल, अप्रैल 2020 के बाद आज कोरोना के सबसे कम मामले सामने आए हैं। बता दें कि छह अप्रैल 2020 को कोरोना के 489 मामले सामने आए थे। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी शुक्रवार (दो दिसंबर) के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के केवल 275 नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान एक मरीज की मौत भी हुई। इसके अलावा देश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 4, 672 हो गई है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,30,624 लोगों की मौत हुई है।

इन दो राज्यों में कोरोना से मौत

कोरोना महामारी के कारण बीते 24 घंटों में केरल और छत्तीसगढ़ में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। वहीं महामारी की शुरुआत से अब तक कुल मृतकों की बात करें तो यह 5,30,624 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, सक्रिय मामलों में अब कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है।

सीएम बघेल ने पेश किया 43 सौ करोड़ का अनुपूरक बजट, विपक्ष ने की घेराबंदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अनुपूरक बजट प्रस्तुत कर सभी को चौंका दिया। नए आरक्षण विधेयक लाने के लिए बुलाई गई विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 4337 करोड, 75 लाख 93 हजार 832 रुपए के अनुपूरक बजट का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस दौरान विपक्ष के भाजपा नेता सरकार को घेरने का प्रयास करते रहे।

बता दें छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र के दूसरे दिन सरकार नए आरक्षण विधेयक लाने वाली है। इससे पहले सीएम भूपेश बघेल ने 4337 करोड, 75 लाख 93 हजार 832 रुपए के अनुपूरक बजट का प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया। इधर आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष के तेवर सख्त हैं। उस पर अनुपूरक बजट प्रस्तुत होने पर विपक्ष का रुख और कड़ा हो गया है। भाजपा नेता इस मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे हैं।

898 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व

अनुपूरक बजट प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बेहतर वित्तीय प्रबंधन से अक्टूबर माह तक 898 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हुई है। सरकार की हितकारी योजनाओं से राज्य की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी वर्गों की आय एवं क्रय क्षमता में वृद्धि हुई है जो सरकार की दूरदर्शिता को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सभी वर्गों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चालू वर्ष के प्रथम 8 माह बाजार से कोई ऋण नहीं लिया गया। नवंबर माह तक 6 हजार करोड़ से अधिक का पूंजीगत व्यय राज्य के संसाधनों से किया गया है। इससे राज्य की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इन योजनाओं पर फोकस

- सौर सुजला योजनांतर्गत अनुपूरक में 105 करोड़ का प्रावधान
- बिजली बिल हाफयोजनांतर्गत अनुपूरक में 31 करोड़ का प्रावधान
- स्टील उद्योग के उपभोक्ताओं को राहत हेतु 57 करोड़ का प्रावधान
- राजीव गांधी किसान न्याय योजनांतर्गत 950 करोड़ का प्रावधान
- राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना अंतर्गत 129 करोड़ का प्रावधान

विधानसभा में भिड़ गए मंत्री डहरिया व भाजपा विधायक अजय चंद्राकर, आरक्षण के मुद्दे पर हंगामा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन आरक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। हंगामा तक तो ठीक था लेकिन विधानसभा में धक्का मुक्की तक की नौबत आ गई। नगरीय निकाय मंत्री शिव डहरिया व भाजपा विधायक अजय चंद्राकर विधानसभा में ही आपस में भिड़ गए। इसके बाद वरिष्ठ विधायकों ने दोनों को अलग किया और समझाइश दी। इस दौरान स्पीकर ने कुछ देर के लिए विधानसभा को स्थगित कर दिया। बता दें शुक्रवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में आरक्षण विधेयक पर चर्चा की जा रही थी। इस दौरान भाजपा के विधायक आरक्षण विधेयक में नियमों को शिथिल करने का आरोप लगाते रहे। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। कुछ बात को लेकर मंत्री शिव डहरिया व भाजपा विधायक अजय चंद्राकर आपस में भिड़ गए। दोनों धक्कामुक्की करने लगे और एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करने लगे। मौके पर मौजूद वरिष्ठ विधायकों ने दोनों को अलग-अलग किया।

अवैध कोयला भंडारों पर जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही, 40 टन कोयला जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा के निर्देश पर अवैध कोयला भंडारण पर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने देर रात ताबड़तोड़ छापामार कार्रवाई की। राजस्व विभाग, खनिज विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान 2 जगहों पर लगभग 40 टन कोयला जब्त किया गया। करतला में खान ढाबा के पीछे झाड़ियों के आस पास लगभग 10 टन और चांपा में विरेंद्र सिंह के आवासीय परिसर में लगभग 30 टन अवैध कोयला भंडारण पाया गया।

करतला में जांच के दौरान मौका क्षेत्र में उपस्थित मजदूर मौके से फरार हो गए। करतला में कोयला से भरा हुआ एक गाड़ी और चार मोटरसाइकिले भी जब्त की गई। इसके अलावा मौका जांच में तौल कांटा बांट, कोयला खरीदी बिक्री, मजदूरों का भुगतान और पैसों के लेनदेन से संबंधित संबंधित रजिस्टर भी जप्त किया गया। दस्तावेजों को जांच के लिए खनिज कार्यालय भेजा गया तथा गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे को थाना करतला में सुरक्षार्थ रखा गया है।

इसी प्रकार तहसील करतला के ग्राम चांपा में विरेंद्र सिंह के आवासीय परिसर में अवैध रूप से कोयले खनिज का भंडारण पाया गया। जांच में लगभग 30 टन कोयले का भंडारण पाया गया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी पाया गया। जमीन मालिक के पास उनके परिसर में भंडारित कोयले के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं पाया गया। मौके पर पाए गए कोयले और तौल कांटे को संयुक्त टीम द्वारा जब्ती की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के बाद माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

कोई भी वैध साक्ष्य नहीं मिले

एसडीएम कोरबा सीमा पात्रे ने बताया की करतला के खान ढाबा के पीछे जमीन में और ग्राम चांपा में अवैध कोयला भंडारण होने और कोयले की अवैध खरीदी बिक्री की सूचना पर छापामार कार्रवाई की गई। दोनों जगहों के निरीक्षण के दौरान कोयला भंडारण पाया गया। साथ ही कोयला खरीदी बिक्री के भी दस्तावेज पाए गए। एसडीएम ने बताया की दोनों जगहों पर कोयला के वैध खरीदी बिक्री और भंडारण के कोई साक्ष्य नहीं पाए गए। जमीन मालिकों द्वारा खनिज से संबंधित कोई वैध प्रमाण भी नही प्रस्तुत किया गया। एसडीएम ने बताया की दोनों जगहों पर की गई छापामार कार्रवाई के दौरान पाए गए कोयले को जब्ती कर विभागीय कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आसपास के लोगों से भी गतिविधियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। कार्यवाही में राजस्व विभाग से तहसीलदार मुकेश देवांगन, नायब तहसीलदार लखेश्वर सिदार, खनिज विभाग से खनिज निरीक्षक जीत चंद्राकर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम शामिल थी।

साढ़े तीन लाख रुपए के साथ नाबालिग लापता, पावर हाउस से नवागढ़ के लिए निकला था बच्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में 3 लाख 50 हजार रुपए के साथ नाबालिग लापता हो गया है। जवाहर नगर निवासी नाबालिग को उसकी बहन ने 3 लाख 50 हजार रुपए दिए और पावर हाउस बस स्टैंड के पास छोड़कर चली गई। 15 वर्षीय नाबालिग को यहां से नवागढ़ अपने माता पिता के पास जाना था लेकिन वह नवागढ़ नहीं पहुंचा। पिता के फोन करने के बाद नाबालिग की बहन ने पावर हाउस में अपने भाई की तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद इसकी छावनी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने धारा 363 के तहत अपराध दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जवाहर नगर निवासी नैना साहू (19) ने 30 नवंबर को सुबह 11 बजे अपनी स्कुटी से छोटे भाई फनेश्वर साहू (15) को 3 लाख 50 हजार रुपए देकर मम्मी-पापा के पास नवागढ़ जाने के लिए पावर हाउस बस स्टेण्ड छोड़ा था। शाम को नैना साहू के पापा का फोन आया कि फनेश्वर अभी तक घर नहीं पहुंचा है। इसके बाद वह पावर हाउस बस स्टेण्ड पहुंची और आसपास काफी तलाश के बाद भी भाई का कुछ पता नहीं चला।

अपने भाई की पतासाजी के लिए आस पास एवं रिश्तेदारों व परिचितों से संपर्क किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। बच्चे का चेहरा लंबा, शरीर पतला दुबला, रंग सांवला, बाल काला, उंचाई करीबन 05 फीट 5 इंच है। काला जींस और काला शर्ट, काले रंग का ट्रेक शूट, सफेद चप्पल पहना है। पार्थी ने अपहरण की आशंका से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

फिर हादसे का शिकार हुई वंदेभारत एक्सप्रेस, गुजरात में चौथी बार टकराई मवेशी से, सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त

वलसाड (एजेंसी)। वंदे भारत एक्सप्रेस एक बार फिर हादसे का शिकार हो गई है। इस बार भी गुजरात में ही ट्रेन को नुकसान पहुंचा है। दरअसल ट्रेन गुजरात में वलसाड के उदवाड़ा में एक गाय से टकरा गई। इससे वंदे भारत एक्सप्रेस का आगे का हिस्सा क्षतिगस्त हो गया। हादसे के बाद लगभग आधे घंटे तक ट्रेन वहीं खड़ी रही। इसके बाद संजन रेलवे स्टेशन पर इंजन को ठीक किया गया और मुंबई के लिए रवाना की गई।

गुजरात में वंदेभारत एक्सप्रेस का मवेशियों से टकराने की यह चौथी घटना है। इससे पहले 29 अक्टूबर को गांधीनगर से मुंबई जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस वलसाड के अतुल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। यहां एक बैल के टकराने से ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद 6 अक्टूबर को मुंबई से अहमदाबाद जा रही ट्रेन वटवा और मणिनगर स्टेशन के पास पशुओं के झुंड से टकरा गई थी, इस घटना में भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इसी प्रकार 7 अक्टूबर को वडोदरा मंडल के आणंद के समीप वंदे भारत एक्सप्रेस से एक गाय टकरा गई थी। तब भी ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था।

गुरुवार रात को भी गांधीनगर से मुंबई जा रही ट्रेन हादसे का शिकार हुई। ट्रेन उदवाड़ा रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी, तभी यहां एक गाय से टकरा गई। हालांकि हादसे से यात्रियों को कोई हानि नहीं पहुंची है। वंदे भारत एक्सप्रेस के नोज कोन को इस तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि ये टक्कर के बाद भी ट्रेन और उसमें बैठे यात्रियों को नुकसान न पहुंचने दें। इंजन के सामने का हिस्सा कोन शेप होता है। यह हिस्सा मजबूत फाइबर प्लास्टिक का होता है। इसमें किसी भी तरह की टक्कर होने पर सिर्फ आगे के कोन शेप हिस्से को नुकसान पहुंचता है, गाड़ी के अन्य हिस्से, चेचिस और इंजन को हानि नहीं पहुंचती है।

शराब दुकान बंद कराने 'गांधी' ने सजाई अपनी चिता

श्रीकंचनपथ

शराब दुकान के बारे में यह कहा जाता है कि इसे जंगल में भी खोल दो तो चलने लगती है. बस गिलास, पानी और चखना का इंतजाम होना चाहिए. भिलाई शहर की ही बात करें तो लोग पटरी पार साइकिल, मोटर खड़ी कर जान हथेली पर लेकर दारू ठेके तक आते हैं. फिर क्या वजह है कि बीच शहर शराब की दुकानों का लाइसेंस दिया जाता है? लगातार विरोध के बावजूद इन्हें न तो हटाया जाता है और न ही बंद किया जाता है. इसका एक लंबा इतिहास है. शराब दुकानों का विरोध करते-करते कई लोग नेता बन गये. शराब दुकानों का विरोध करने के ढंग भी निराले हैं. कभी महिलाएं सड़क पर बैठकर 'पेग' बनाने लगती हैं तो कभी बोतलों की माला लेकर लोग प्रदर्शन करने लगते हैं. शराब की अर्थी निकालने से लेकर आबकारी मंत्री का पुतला फूंकने तक कई प्रकार के प्रदर्शन हो चुके हैं. अब बिलासपुर की बारी है. यहां एक 'गांधी' शराब दुकान हटाने के लिए खुद अपनी चिता सजाए बैठ गया है. उसने चेतावनी दी है कि यदि शराब दुकान को तत्काल नहीं हटाया गया तो वह इसी चिता पर आत्मदाह कर अपने प्राण त्याग देगा. इस शराब दुकान का विद्यार्थियों से लेकर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठन विरोध कर चुके हैं पर प्रशासन की ढिठाई है कि वह इसे प्रक्रिया में उलझा रहा है. दरअसल, मामला शराब का नहीं बल्कि शराब दुकान का है. राज्य में भले ही शराब दुकानों का संचालन सरकार कर रही हो पर इसके आसपास के चखना दुकानों का संचालन कांग्रेस के कार्यकर्ता और छुटभैया नेता कर या करवा रहे हैं. बताया जाता है कि इन चखना सेंटरों से एक एक विधानसभा में प्रतिदिन 5 से 25 हजार रुपए तक की कमाई आती है. चखना की कमाई को लेकर अकसर नेताओं में ठनी रहती है. इस धंधे पर बड़े नेताओं की भी नजर है. वे चाहते हैं कि चखना सेंटरों का ठेका उनके चमचों के पास रहे. इससे चमचा और कार्यकर्ताओं का खर्चा-पानी चलता रहेगा. व्यापार की सूझबूझ रखने वालों की मानें तो इसमें सरकार का ही फायदा है कि दारू दुकान दूरस्थ अंचलों में खुले. इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि पानी, गिलास और चखना लोगों को वहीं से खरीदना पड़ेगा. अभी लोगों के पास अन्य दुकानों का भी आप्शन रहता है. दारू दुकान दूर होने से पियक्कड़ों की संख्या कम होने से रही. मुसीबत सिर्फ यह होगी कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने लिए पुलिस को अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ेगी. वैसे भी शहरे के बीच स्थापित दारू दुकानों पर भी सुरक्षा व्यवस्था का कोई बहुत अच्छा हाल तो है नहीं. आए दिन छीना झपटी, मारपीट और चाकूबाजी की घटनाएं हो रही हैं. इससे आम लोगों को भी तकलीफ होती है. दारू दुकान आबादी से बाहर हो तो सरकार की भी इज्जत सेफ रहेगी. जिसे दारू पी-पिलाकर मरना है, उसे उसके हाल पर ही छोड़ दें तो अच्छा.

संपादकीय

पड़ोसी का दुराग्रह

भारत और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास पर चीन की आपत्ति निहायत बचकानी और गैर-जरूरी है। जिस जगह यह अभ्यास चल रहा है, वह वास्तविक नियंत्रण-रेखा से 100 किलोमीटर दूर है। चीन ने एक तरह से भारत पर आरोप लगाते हुए कहा है कि भारत ने साल 1993 के बाद हुए द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन किया है। चीन ने अमेरिका को भी नसीहत दी है कि वह भारत-चीन संबंधों के बीच में न आए। मगर क्या यह संभव है? आज की दुनिया में देशों के हित परस्पर जुड़े हुए हैं। भारत साल 2004 से ही अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य अभ्यास करता आ रहा है। कभी अमेरिका, तो कभी भारत की जमीन पर संयुक्त सैन्य अभ्यास नई बात नहीं है। चीन को अगर ऐसे सैन्य अभ्यास से किसी प्रकार की आशंका लगती है, तो उसे साफ कहना चाहिए और उस पर सुधार के लिए विचार भी करना चाहिए। भारत की सैन्य तैयारी समय की जरूरत है और अमेरिका के साथ ऐसी तैयारी के खास मायने भी हैं। हरेक देश को अपनी सुरक्षा के प्रबंध का पूरा अधिकार है। दरअसल, चीन 1993 और 1996 में हुए समझौतों का हवाला दे रहा है, लेकिन वह स्वयं इन समझौतों को कई दफा तोड़ चुका है। गलवान, गोगरा और पैंगोंग इत्यादि क्षेत्रों में आगे बढ़कर सीमा का अतिक्रमण और स्थायी निर्माण करके, सीमा से सटे इलाकों में सैन्य ढांचा बनाकर चीन पुराने समझौतों को पहले ही धता बता चुका है। चीनी सेनाएं मोर्चे पर डटी हुई हैं और वे ज्यादातर कब्जाए इलाकों से लौटाने को तैयार भी नहीं हैं। ऐसे में, चीन कैसे उन समझौतों को याद कर सकता है? दरअसल, चीन असत्य को सत्य बनाने की नीति पर चलता है, वह एक झूठ को सैकड़ों बार बोलकर उसे सच में तब्दील कर देना चाहता है। कश्मीर, लद्दाख ही नहीं, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में भी सीमा के करीब उसने काफी कुछ ऐसा किया है, जो बंधुत्व की भावना या समझौते का उल्लंघन है। समझौता यह भी कहता है कि सीमा-रेखा के करीब दस किलोमीटर क्षेत्र में विमान नहीं आएंगे, लेकिन चीन तो सीमा पर अपनी हवाई पट्टी का समर्थक है। मर्यादाएं एकतरफा नहीं होती हैं, समझौते की पालना एकतरफा नहीं होती है। अच्छे माहौल के लिए दोनों ही देशों को एक-दूसरे का विश्वास जीतना चाहिए, लेकिन ऐसे सैकड़ों प्रमाण हैं कि चीन की ज्यादातर कोशिशें भारत को चोट पहुंचाने वाली रहीं। भारत विरोधी आतंकवादियों को वह खुलेआम प्रतिबंध से बचाता आ रहा है। वह पाकिस्तान के साथ सैन्य अभ्यास में जुटा रहता है। भारत से कब्जाए हुए इलाके में भी चीनी सक्रियता लगातार बढ़ती चली गई है। ऐसे में, क्या भारत तटस्थ रह सकता है? एक स्वायत्त और तटस्थ भारत के पक्ष में दुनिया के अनेक देश रहे हैं और उनमें चीन भी शामिल है, लेकिन आज दुनिया में आगे बढ़ने के लिए किसी भी देश को किसी भी देश से सहयोग लेने में पीछे नहीं रहना चाहिए। चीन ने भी आगे बढ़ने के लिए यही किया है, लेकिन वह भारत के प्रति बैर भाव से भरा हुआ है। वह नहीं चाहता कि भारत तरक्की करे, भारत में आतंकवाद का अंत हो। भारतीयों के लिए यह प्रेरणा होनी चाहिए। आर्थिक, सामरिक और सामाजिक रूप से हमें तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। चीन का सही जवाब यही है कि हम अपनी लकीर लंबी करते जाएं। पारदर्शिता और समानता के साथ तरक्की करें, ताकि दुनिया में हमारे विकास की सराहना हो।

> “ मर्यादाएं एकतरफा नहीं होती हैं, समझौते की पालना एकतरफा नहीं होती है। अच्छे माहौल के लिए दोनों ही देशों को एक-दूसरे का विश्वास जीतना चाहिए, लेकिन ऐसे सैकड़ों प्रमाण हैं कि चीन की ज्यादातर कोशिशें भारत को चोट पहुंचाने वाली रहीं। भारत विरोधी आतंकवादियों को वह खुलेआम प्रतिबंध से बचाता आ रहा है। वह पाकिस्तान के साथ सैन्य अभ्यास में जुटा रहता है। भारत से कब्जाए हुए इलाके में भी चीनी सक्रियता लगातार बढ़ती चली गई है। ऐसे में, क्या भारत तटस्थ रह सकता है? एक स्वायत्त और तटस्थ भारत के पक्ष में दुनिया के अनेक देश रहे हैं और उनमें चीन भी शामिल है, लेकिन आज दुनिया में आगे बढ़ने के लिए किसी भी देश को किसी भी देश से सहयोग लेने में पीछे नहीं रहना चाहिए।

> “ दूसरी तिमाही के आंकड़े मुनादी कर रहे हैं कि संगठित क्षेत्र रफ्तार पकड़ने लगा है, लेकिन इसकी कीमत असंगठित क्षेत्र चुका रहा है। आज मांग बढ़ाना व महंगाई घटाना जरूरी है।

घटती विकास दर के बावजूद उम्मीदें

अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़ी तीन खबरें अभी सुर्खियों में हैं। पहली, साल की दूसरी तिमाही में विकास की रफ्तार धीमी पड़ी है और जुलाई-सितंबर के दरम्यान विकास दर घटकर 6.3 फीसदी पर आ गई। दूसरी, विश्व बैंक ने कहा है कि विदेश में कमा रहे भारतीयों ने इस साल देश में रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर भेजे। और तीसरी, विदेशी निवेशकों में बढ़ते विश्वास से भारतीय शेयर बाजार में तेजी कायम है और दिसंबर के पहले दिन भी इसने मजबूत शुरुआत की। क्या यह देश की आर्थिक सेहत के लिए सुखद है? इस प्रश्न का जवाब ढूंढ़ने से पहले हमें मुख्य आर्थिक सलाहकार वीए नागेश्वरन के बयान पर गौर करना चाहिए, जिन्होंने कहा है कि यह वक्त सावधानी से आगे बढ़ने का है।

असल में, संकट के दौरान अर्थव्यवस्था लुढ़कती ही है और यह गिरावट जितनी तेज होती है, अगले साल उछाल उतनी ही अधिक दिखती है। इसी कारण 'विकास दर' के बजाय 'सकल घरेलू उत्पाद के स्तर' से तुलना करने की वकालत की जाती है और महामारी से पहले, यानी 2019-20 के बरअक्स आज हमारा विकास बहुत ज्यादा नहीं दिखता। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अगली दोनों तिमाही में कम वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। मगर चिंता की बात महज वृद्धि दर नहीं है। अर्थव्यवस्था में कई सेक्टर अब भी बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। फिर, कृषि को छोड़कर तिमाही के आंकड़ों में असंगठित क्षेत्र को शामिल नहीं किया जाता, जिसके कारण उसकी सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। हालांकि, इस बार कृषि के आंकड़े भी भरोसा नहीं जगा रहे। इस साल दूसरी तिमाही में पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति थी। बिहार, बंगाल, ओडिशा जैसे कई धान-उत्पादक राज्यों में बुआई भी कम की गई। मगर, दूसरी तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि में करीब साढ़े चार फीसदी की वृद्धि हुई है, जो समझ से परे है।

दूसरी तिमाही के आंकड़े यह मुनादी कर रहे हैं कि संगठित क्षेत्र अब रफ्तार पकड़ने लगा है, लेकिन इसकी कीमत असंगठित क्षेत्र चुका रहा है, क्योंकि उसकी मांग संगठित क्षेत्र ने हड़प ली है। बावजूद इसके खनन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नकारात्मक वृद्धि चिंताजनक है। सर्विस सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, क्योंकि पिछले साल इसी तिमाही में कोरोना की दूसरी लहर में यह बमुश्किल सांस ले पा रहा था। हां, विमानन कंपनियां अब भी यात्रियों के मामले में 2019-20 के स्तर तक नहीं पहुंच सकी हैं।

देखा जाए, तो शेयर बाजार में तेजी की बड़ी वजह यही है। रिजर्व बैंक ने भारतीय शेयर बाजार की 2,700 कंपनियों का जो आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक, इन कंपनियों की बिक्री में 41 फीसदी और लाभ में तकरीबन 20 प्रतिशत का उछाल आया है। इनके फायदे निवेशकों को लुभा रहे हैं। चूंकि बैंकों की ब्याज दर बढ़ने के बावजूद अब भी कम है, इसलिए संगठित क्षेत्र के वेतनभोगियों की बचत शेयर बाजार में पहुंच गई है। आंकड़ों की मानें, तो बैंकों से निकासी बढ़ी है, लेकिन उस अनुपात में पैसे जमा नहीं हो रहे। विदेशी निवेशक भी इसके आकर्षण से नहीं बच पाए हैं। स्थिति यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में बैंक-दर में वृद्धि के बावजूद तीन-साढ़े तीन फीसदी तक रिटर्न मिल पाता है, जबकि भारत में शेयर बाजार से 10 फीसदी तक रिटर्न संभव है।

इससे यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि देश में सब कुछ बेहतर है। संगठित क्षेत्र अपने बूते यह सब नहीं कर रहा। पिछले कुछ महीनों में असंगठित क्षेत्र की कई कंपनियां दम तोड़ चुकी हैं। हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड की एक रिपोर्ट कहती है कि उनका मार्केट शेयर इसलिए बढ़ा, क्योंकि छोटी-छोटी कंपनियां परिस्थितियों से मुकाबला नहीं कर सकीं और उनकी मांग संगठित क्षेत्र के हिस्से में आ गई। यह सभी उद्योगों में हुआ है। पारले-जी बिस्कुट की बिक्री ही इसलिए बढ़ी, क्योंकि छोटी-छोटी कंपनियां प्रतिस्पर्द्धा से बाहर हो चुकी हैं। रही बात, विदेश से भारतीयों द्वारा भेजे जाने वाले धन की, तो मूलत दो तबके को यह सहूलियत हासिल है। एक संपन्न तबका है, जिसके परिजन इसलिए विदेश से पैसे भेजते हैं, ताकि भारत में उनका कुछ निवेश हो सके। यह निवेश शेयर बाजार में होता है या फिर रियल एस्टेट में। जबकि, दूसरा तबका विपन्न है, जिसके परिजन इस उम्मीद में पैसे भेज रहे हैं कि संकट के दौर में उनकी जितनी खराब हालत हुई, उससे वे पार पा सकें।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भी अनवरत भारतीय अर्थव्यवस्था के पांव खींच रहा है। इससे सूक्ष्म व लघु उद्योग पार नहीं पा रहे। बेशक इन दोनों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है, लेकिन संगठित क्षेत्र की कंपनियों को मिलने वाले इनपुट क्रेडिट इनके लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। इनपुट क्रेडिट जैसी सुविधा न रहने के कारण इनके उत्पाद महंगे हो गए हैं। लिहाजा, जीएसटी में सुधार बहुत जरूरी है। इसे 'लास्ट प्वॉइंट टैक्स' बना देना चाहिए, ताकि इनपुट क्रेडिट जैसी व्यवस्था खत्म हो सके।

बाजार में मांग को बढ़ाना आवश्यक है। बेहतर अर्थव्यवस्था के लिए असंगठित और संगठित क्षेत्रों को साथ मिलकर चलना चाहिए, लेकिन अभी संगठित क्षेत्र में पर्याप्त तेजी दिख रही है। जाहिर है, असंगठित क्षेत्र को समर्थन की दरकार है। मध्यम, लघु व सूक्ष्म कंपनियों के लिए जब भी नीतियां बनाई जाती हैं, तो फायदा मध्यवर्ती कंपनियां उठा ले जाती हैं। हमें सूक्ष्म व लघु कंपनियों के लिए विशेष नीतियां बनानी होंगी। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि एमएसएमई सेक्टर के 97.5 फीसदी कामगार सूक्ष्म व लघु कंपनियों में ही काम करते हैं।

इसी तरह, 45 फीसदी कामगार कृषि क्षेत्र से जुड़े हैं। इनके हाथ इतने मजबूत करने होंगे कि उनमें खरीद की क्षमता बढ़े, तभी मांग बढ़ेगी। संगठित क्षेत्र को भी इससे लाभ होगा। आपूर्ति-श्रृंखला की मुश्किलें भी इससे कम होंगी। हम बेशक बाहरी कारकों (चीन की सख्त कोविड-नीति, यूक्रेन जंग) को काबू नहीं कर सकते, पर घरेलू प्रयास जरूर कर सकते हैं। चूंकि अभी कर-राजस्व की स्थिति अच्छी है, तो क्यों न पेट्रो उत्पादों पर वैट कम करने के प्रयास किए जाएं, ताकि महंगाई में कमी हो? अभी मौद्रिक नीति की नहीं, वित्त नीति की जरूरत है। अगर रिजर्व बैंक यूं ही दरों को बढ़ाता रहा, तो बाजार में मांग कम हो जाएगी। यानी, इस समय वित्त मंत्रालय को मोर्चा संभालना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पेंशन वही, जो भारतीय समाज का भविष्य न बिगड़ने दे

ब्रजेश कुमार तिवारी

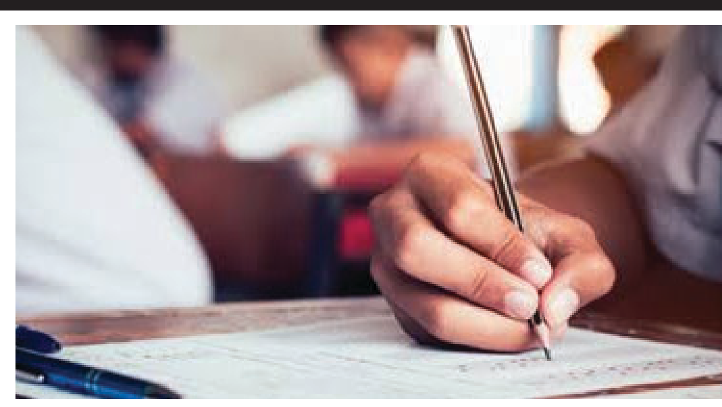

चुनावी माहौल में पुरानी पेंशन को लेकर एक बार फिर नए सिरे से बहस शुरू हो गई है। पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए पूरे देश में राष्ट्रीय आंदोलन चलाया जा रहा है। हाल ही में, बजट 2023 के लिए आयोजित बैठक में भी भारतीय मजदूर संघ सहित कई कर्मचारी संगठनों ने वित्त मंत्री से इसकी मांग की है। 1 जनवरी, 2004 से नई पेंशन योजना (एनपीएस) को लागू किया गया था और एनपीएस को पश्चिम बंगाल छोड़कर सभी राज्यों ने अपना लिया। अब छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान के साथ पंजाब ने भी पुरानी पेंशन स्कीम को लागू कर दिया है। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश ने भी पुरानी स्कीम को वापस लाने का वादा किया है। ऐसे ही, वादे गुजरात में भी किए गए हैं।

अभी नई पेंशन स्कीम के तहत कर्मचारी के मूल वेतन से 10 प्रतिशत राशि काटी जाती है और उसमें सरकार 14 फीसदी अपना हिस्सा मिलाती है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारी की सैलरी से कोई कटौती नहीं होती थी। पुरानी पेंशन योजना में रिटायर्ड कर्मचारियों को सरकारी कोष से पेंशन का भुगतान किया जाता था, जिसमें कर्मचारी को अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत मिलता था। दरअसल, नई पेंशन योजना को उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया था, जो 21 से 25 वर्ष की आयु में नौकरी में आ जाते हैं और 35 से 40 वर्ष तक पेंशन फंड में योगदान करते हैं। अब पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक ढांचा बदला है, ज्यादातर लोगों को नौकरी देर से मिल रही है, सेवानिवृत्ति भी महज 10-15 वर्षों की सेवा के बाद हो जा रही है। लिहाजा नई पेंशन स्कीम को लेकर कर्मचारियों की आशंका सच साबित होने लगी है। दो लाख रुपये वेतन पाने वालों का भी दो से पांच हजार रुपये तक पेंशन बन रहा है, इससे बिजली बिल व दवा खर्च भी नहीं निकल पा रहा है।

ऐसे लोग वृद्धावस्था में भी छोटे-मोटे कार्य कर गुजर-बसर करने के लिए मजबूर होने लगे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद जब शरीर साथ छोड़ने लगता है, तब परिजन भी बोझ समझकर कन्नी काटने लगते हैं। आने वाले वर्षों में ऐसे बुजुर्गों की संख्या जब बहुत बढ़ जाएगी, तब क्या होगा? भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में कोई सरकार अभिभावक की अपनी भूमिका से कैसे बच सकती है? जब देश का संविधान सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान करता है, तो इसे 'मुफ्त की रेवड़ी' मानना अनुचित है।

बेशक, पुरानी पेंशन योजना को लागू करना बड़ी वित्तीय चुनौती है। पेंशन के लिए राज्य अपने राजस्व का जहां 1987 में पांच से नौ प्रतिशत खर्च कर रहे थे, आज 15 से 30 प्रतिशत तक खर्च कर रहे हैं। क्या सरकार अपने कर्मचारियों को, जिन्होंने जीवन का स्वर्णिम समय सेवा में लगा दिया, रिटायरमेंट के बाद शेयर बाजार के भरोसे छोड़ दे? क्या जनता के पैसे से पेंशन लेना अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) व अनुच्छेद 106 का उल्लंघन नहीं है? ग्लोबल रिटायरमेंट इंडेक्स व मर्सर की ग्लोबल पेंशन इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, भारत 40वें पायदान पर है। सर्वश्रेष्ठ सेवानिवृत्ति प्रणाली वाले तीन देशों आइसलैंड, नीदरलैंड व डेनमार्क से सीखना चाहिए।

कुछ देशों में पेंशन योगदान की दर काफी अधिक है, जैसे इटली में वेतन का 33 प्रतिशत, स्पेन में 30 प्रतिशत और चेक गणराज्य 29 प्रतिशत। भारत में सरकार को अपना अंशदान तत्काल दोगुना से तीन गुना तक बढ़ा देना जाना चाहिए। ऐसे कर्मचारी, जिनकी सेवाकाल में मृत्यु हो जाए, उनके परिजनों की नौकरी की गारंटी हो, साथ ही, जो कर्मचारी 20 साल से कम ही अंशदान कर पाए, उनके लिए कुछ अलग प्रावधान बनाने चाहिए।

सरकार कुल अंशदान का सिर्फ 25 प्रतिशत ही शेयर बाजार में लगाए और शेष 75 प्रतिशत को स्टेबल रिटर्न वाली व इन्फ्लेशन फ्री सरकारी बॉन्ड में लगाए, जिससे पेंशन फंड का आकार सदैव बढ़ता रहे। सरकार को पेंशन अंशदान को टैक्स फ्री बनाना चाहिए, अभी सीमा डेढ़ लाख रुपये तक है। एनपीएस में मिलने वाले पेंशन की पूरी राशि को भी कर मुक्त बनाना चाहिए। केवल सरकारी कर्मचारियों के भविष्य के बारे में ही नहीं सोचना चाहिए, निजी व असंगठित क्षेत्र में भी पेंशन योजना को कारगर बनाना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शांति के अवसर तलाशें

अंतप्रज्ञा या अंतरदृष्टि एक प्रकार का जानना है, लेकिन आप यह नहीं जानते कि वहां तक पहुंचे कैसे? यह ज्ञान का सहज उदय है, तभी तो आपके मुंह से निकलता है, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे यह जानता हूं?' यहां जो चीज काम कर रही है, वह गैर-वैचारिक बुद्धि है। अंतर्ज्ञान किसी गहन सोच-विचार या तर्क-वितर्क से नहीं आता। यह रचनात्मकता और प्रेरणा से अधिक करीब से जुड़ा है। प्रेरणा भी वहीं से मिलती है, यानी यह प्रदत्त है। यह आपको दिया गया है। तमाम महान कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, यहां तक कि आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिकों को भी यह मिला हुआ था, जिन्होंने क्रांतिकारी खोज की। आइंस्टीन को सापेक्षता के सिद्धांत का 'बोध' था। वह इसे पूरी तरह साबित कर पाते, इसके पहले से वह जानते थे कि यह सच है। यह अंतर्ज्ञान था, जो उन्हें प्रदत्त था। निस्संदेह, इसे प्रतिपादित करने से पहले उन्होंने काफी सोच-विचार किया। कभी-कभी हम बहुत सोच-विचार करते हैं, फिर अचानक लगता है कि यह मंथन कहीं नहीं ले जा रहा और हम सोचना बंद कर देते हैं। हम बाहर निकलते हैं, कुछ गहरी सांसें लेते हैं या प्रकृति के बीच पहुंचते हैं, किसी पेड़ के नीचे बैठते हैं और अचानक हमें अंतर्ज्ञान होता है। कुछ ऐसा, जो आप सोचकर नहीं पा सकते थे। हरेक मनुष्य के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि वह अपने भीतर के उस स्थल से संपर्क स्थापित करे, जहां पर अंतर्ज्ञान पैदा होता है, अन्यथा आप वैचारिक मन की सीमाओं में उलझे रहेंगे। आपके जीवन में बस दोहराव ही दोहराव होगा, उसमें नए विचार नहीं आ सकेंगे। नया विचार तो उसी जगह से आता है, जहां पर सारी रचनात्मकता उत्पन्न होती है, जो भीतर की शांति है। यहीं पर अंतर्ज्ञान उत्पन्न होता है। यदि आप एक क्षण के लिए भी शांत व स्थिर हो सके, तो इस बात की पूरी संभावना है कि उस क्षण कोई ऐसा अंतप्रज्ञात्मक विचार या स्वतस्फूर्त चीज पैदा हो जाए, जो स्वयं आपको चकित कर जाए। हो सकता है कि किसी को आपकी मदद या सलाह की जरूरत हो और यह सोचने के बजाय कि मुझे उस व्यक्ति की मदद करनी चाहिए या मैं उसकी मदद के लिए अब क्या कह सकता हूं, आप बस स्थिर हो जाएं, सुनें, देखें और अचानक कुछ बोल उठें। यही अंतर्ज्ञान की उत्पत्ति है। अचानक अंतर्ज्ञान आपके मन का उपयोग कर लेता है। आप चाहे जहां कहीं भी हों, क्षणिक शांति के अवसर वहां अवश्य होते हैं। इनको तलाशें। यह महत्वपूर्ण है, अन्यथा आपका जीवन असंतुलित है। आप गाड़ी चलाकर घर जा रहे हैं या काम पर जा रहे हैं, तो हर ट्रैफिक लाइट शांति का निमंत्रण है। शांति के बहुत सारे अवसर हैं। उन्हें पहचानिए!

एक्हार्ट टल्ल, जर्मन उपदेशक

मुद्दा मूल्य-सीमा का

इस मसले पर यूरोपियन यूनियन में तीखे मतभेद उभर चुके हैं। भारत और चीन इसमें शामिल होंगे, इसकी संभावना कम है। दरअसल, पश्चिम के प्राइस कैप को ना मानने वाले देशों की सूची इन दोनों देशों के अलावा और भी लंबी हो सकती है। क्या सचमुच पश्चिमी देश रूस के कच्चे तेल पर प्रस्तावित मूल्य सीमा को लागू कर पाएंगे? यूरोप में इसको लेकर जो विरोध उभरा है, उसे देखते हुए यह आसान नहीं लगता। यह साफ सामने आया है कि कई यूरोपीय देश अब ऐसा कदम उठाने के पक्ष में नहीं हैं, जिससे उनका ऊर्जा संकट और बढ़े। इसी का परिणाम है कि इस मसले पर यूरोपियन यूनियन (ईयू) में तीखे मतभेद उभर चुके हैं। भारत जैसे देश तो पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे ऐसे किसी कदम का हिस्सा नहीं बनेंगे। जाहिर है, चीन भी इसमें शामिल नहीं होगा। पश्चिम के प्राइस कैप को ना मानने वाले देशों की सूची इन दोनों देशों के अलावा और भी लंबी हो सकती है। रूस यह साफ कह चुका है कि अगर किसी प्रकार की मूल्य सीमा लगाई गई, तो वह तेल का निर्यात बिल्कुल रोक देगा। विश्लेषकों के मुताबिक अगर रूस ने ऐसा कदम उठाया, तो उससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की महंगाई तेजी से बढ़ेगी। इसका अंदेशा अमेरिका को भी है। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कुछ दिन पहले एक मीडिया इंटरव्यू में कहा था कि अगर तेल की कीमतें बढ़ीं, तो अमेरिका अपने स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से और अधिक तेल बेचने का फैसला करेगा। लेकिन उससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को भले राहत मिल सकती है, यूरोप के लोगों को नहीं तो। तो पिछले हफ्ते ईयू की कार्यकारी संस्था- यूरोपियन कमीशन की हुई बैठक में विभिन्न देशों के राजनयिकों के बीच जुबानी झड़पें होने तक की नौबत आ गई। धनी देशों के समूह जी-7 ने अगले पांच दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूसी तेल पर मूल्य सीमा लगाने का प्रस्ताव रखा है। जी-7 ने यूक्रेन पर हमला करने के दंड के रूप में रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का एलान किया है। योजना यह है कि मूल्य सीमा लागू होने के बाद पश्चिमी कंपनियों से ऋण और बीमा की सुविधा तभी मिलेगी, जब कोई देश तेल तय सीमा कीमत तक पर ही खरीद रहा हो। अब फैसला ईयू पर आकर टिक गया है।

एमसीडी का चुनाव देश का मिनी चुनाव है!

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हो गया है और गुजरात में चुनाव हो रहा है। गुजरात चुनाव कई कारणों से बहुत अहम है। लेकिन इन दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव से कम महत्व का चुनाव दिल्ली नगर निगम यानी एमसीडी का नहीं है। एमसीडी की ढाई सौ सीटों पर चार दिसंबर को मतदान होना है। राजधानी दिल्ली का यह चुनाव देश की राजनीति का मूड बताने वाला होता है। एमसीडी में लगातार तीन बार से भाजपा जीत रही है। दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने 2012 में एमसीडी को तीन हिस्सों में बांट दिया था ताकि कांग्रेस कुछ जगह जीत सके। लेकिन कांग्रेस तीनों निगमों में हार गई। वह चुनाव देश का मूड बताने वाला था। उसके दो साल बाद देश का चुनाव हुआ और कांग्रेस बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद अगला चुनाव अप्रैल 2017 में हुआ और कांग्रेस तो हारी ही दो साल पहले ही दिल्ली में एकतरफा जीत हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी भी हार गई। इससे भी देश का मूड जाहिर हुआ और 2019 में भाजपा को और बड़ी जीत मिली। अब फिर लोकसभा चुनाव से डेढ़ साल पहले एमसीडी का चुनाव हो रहा है। इसके नतीजों से देश का मूड जाहिर हो सकता है। ध्यान रहे दिल्ली में देश के हर हिस्से के लोग रहते हैं। हर प्रांत, हर जाति, हर धर्म और हर आर्थिक श्रेणी के लोग दिल्ली में रहते हैं। उनको यह भी पता है कि एमसीडी में 15 साल से भाजपा का कब्जा है और वह दिल्ली सरकार के अधीन नहीं है। यह भी ध्यान रखने की बात है कि दिल्ली में लोगों ने भाजपा को हरा कर आप की सरकार नहीं बनवाई है। अगर इस बार भाजपा को हरा कर एमसीडी में आप की सरकार बनती है तो इससे देश के मूड का भी कुछ हद तक पता चलेगा।

सेना को नेहरू जी का संदेश

आपको सेवा का एक महान अवसर मिला है, क्योंकि आपके हाथों में राज्य की शस्त्र शक्ति है। आपको उसका दुरुपयोग न करने की बाबत सावधान रहना चाहिए।'' ये शब्द भारत के प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आज शाम को अखिल भारतीय रेडियो से भारत की सशस्त्र सेनाओं के नाम ब्राडकास्ट करते हुए कहे। यह ब्राडकास्ट भाषण अखिल भारतीय रेडियो के सेनाओं से संबंध रखने वाले नए कार्यक्रम का आरम्भ करते हुए दिया गया था। प्रधान मंत्री ने कहा कुछ महीने पहले मैंने प्रधान सेनापति से कहा था कि मैं जितनी बार हो सके उतनी बार भारतीय सेना के अफसरों और सैनिकों से मिलना, उनको काम करते हुए और खेलते देखना और उनसे बातें करना चाहता हूं, क्योंकि हमारा एक दूसरे को समझना बहुत आवश्यक है। स्वतन्त्र देश की जनता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों का अपनी सेनाओं के विचार जानते रहना बहुत आवश्यक होता है। साधारणत जनता और सेनाओं के बीच अलगाव नहीं रहना चाहिए। सेनाएं जनता में से ही बनती हैं, इसलिए वह सब एक ही हैं। यह पुरानी कल्पना है कि सेनाएं कोई अलग चीज हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि हम एक दूसरे को समझें। हमारा देश स्वतन्त्र हो गया है। स्वतन्त्रता का अर्थ क्या है? उसका अर्थ है कि हम बिना बाहरी हस्तक्षेप के अपना काम करने के लिए स्वतन्त्र हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हर एक मनमानी करने के लिए स्वतन्त्र है। इससे अराजकता फैल जायेगी। अगर प्रत्येक व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेने लगे तो यह जंगल का कानून हो जायेगा। इस प्रकार की स्वतंत्रता सभ्य लोगों को शोभा नहीं देती। हमारा देश और हमारी सभ्यता हजारों वर्ष प्राचीन है। हमारी नवोदित स्वतन्त्रता ने हमारे ऊपर भारी जिम्मेदारियां लाद दी हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

1.85 लाख घरों में होगी टीबी-कुष्ठ रोगियों की पहचान

591 गांवों में चलने वाले टीबी-कुष्ठ खोज अभियान का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिला प्रशासन बस्तर के मार्गदर्शन में जिले में टीबी-कुष्ठ को मिटाने के लिए 1 दिसम्बर को सघन टीबी-कुष्ठ खोज अभियान का शुभारम्भ किया गया। 21 दिसम्बर तक चलने वाले इस अभियान में हर एक मरीज की स्क्रीनिंग एवं उपचार किया जाएगा। अभियान के दौरान मितानिन के द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में घर-घर भ्रमण कर टीबी एवं कुष्ठ रोग के लक्षण के आधार पर संभावित मरीजों की पहचान की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के.चतुर्वेदी ने बताया: जिले में टीबी-कुष्ठ रोग के रोकथाम के लिये युद्धस्तर पर मरीजों की पहचान और त्वरित इलाज की व्यवस्था की गयी है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में टीबी-कुष्ठ की बढ़ती समस्या और उसके प्रसार को रोकना है। टीबी के सम्बंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया: तीन सप्ताह या अधिक समय खांसी, लंबे समय से बुखार और शाम के दौरान बुखार का बढ़ जाना, सांस फूलना, लगातार वजन घटने, सीने में दर्द, बलगम के साथ खून आना, बार बार लूज मोशन होने की स्थितियों में टीबी की जांच अवश्य करवाना चाहिए। वहीं पहले से इलाज करवा रहे मरीज नियमित रूप से दवा का पूरा सेवन करें। वहीं कुष्ठ रोग के सम्बंध में उन्होंने बताया: कुष्ठ रोग के कारण प्रभावित अंगों में अक्षमता एवं विकृति आ जाती है, इसलिए छुपे हुए केस को जल्दी से जल्दी खोज कर एवं जांच उपचार कर कुष्ठ रोग का प्रसार रोका जा सकता है और सामाज को कुष्ठ मुक्त कर सकते हैं। कुष्ठ रोग लाइलाज नहीं है। कुष्ठ रोग का पूर्णत: उपचार संभव है। वहीं कुष्ठ रोग के इलाज में देरी से विकलांगता हो सकती है। कुष्ठ रोगियों को स्पर्श करने से कुष्ठ रोग नहीं होता है।

जिला टीबी उन्मूलन अधिकारी सी.आर.मैत्री ने बताया: 1 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक चलने वाले इस अभियान के दौरान 591 गांवों के कुल 1.85 लाख घरों का सर्वे होगा। जिलेवासियों से अपील है कि, सर्वे के दौरान टीबी-कुष्ठ के लक्षण वाले व्यक्ति अपने रोग को छिपाएं नहीं, बल्कि लक्षणों के बारे में खुलकर बताएं। टीबी और कुष्ठ बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक का लक्ष्य तय किया है। वहीं छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश को वर्ष 2023 तक इन रोगों से मुक्त करने का बीड़ा उठाया है।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यशवर्धन राव (सभापति पीडब्ल्यूडी नगरनिगम जगदलपुर), आर के चतुर्वेदी (सीएमएचओ), वी के ठाकुर (डीएलओ), सी आर मैत्री (डीटीओ), रीना लक्ष्मी लेडीया(डीपीएम), संजीव डूबे (सीपीएम) सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारीगण, मितानिन व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

कलेक्टर ने लकरापारा गौठान का किया मुआयना

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। जिले के कलेक्टर पी.एस. ध्रुव ने आज अपने भ्रमण के दौरान लकरापारा गौठान का निरीक्षण कर वहां की गतिविधियां देखी। कलेक्टर ने गौठान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं से उनकी आयमूलक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने समूह द्वारा की जा रही सामुदायिक सब्जी की खेती का भी मुआयना किया।

कलेक्टर ने सामुदायिक बाड़ी के लिए उपलब्ध शेष जमीन की ट्रैक्टर से जुताई कराकर बाड़ी का विस्तार करने और इससे बेहतर मुनाफा कमाने के लिए प्रोत्साहित किया। महिला समूह की महिलाओं ने बताया कि उनके द्वारा अब तक 100 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया है, जिसकी राशि भी उन्हें प्राप्त हो चुकी है। अभी 80 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट विक्रय के लिए तैयार है। समूह की महिलाओं ने सब्जी की सामूहिक खेती के बारे में जानकारी दी, जिसका कलेक्टर ने मौके पर जाकर मुआयना किया।

कलेक्टर ने बाड़ी के लिए आरक्षित भूमि के थोड़े हिस्से में की जा रही सब्जी की खेती को और बढ़ाने के लिए शेष भूमि का उपयोग करने की समझाईश दी। फिलहाल सामुदायिक बाड़ी में महिलाओं द्वारा आलु, गोभी, मुली का उत्पादन किया जा रहा है। कलेक्टर ने समूह की महिलाओं के प्रयासों की सराहना की और उनकी हौसला अफजाई करते हुए पूरी भूमि में अन्य प्रकार की सब्जी-भाजी की खेती करने को कहा। कलेक्टर ने इस मौके पर मौजूद अधिकारियों को महिला समूह द्वारा उत्पादित सब्जी की खपत स्कूलों, आश्रम शालाओं, आंगनबाड़ी केन्द्रों और छात्रावासों में सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

खास खबर

कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद स्कूल गुण्डरदेही का किया निरीक्षण

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने विकासखण्ड मुख्यालय गुण्डरदेही स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को भूगोल विषय का अध्यापन कराकर शिक्षा गुणवत्ता को परखने की कोशिश की। उन्होंने शिक्षकों को निर्धारित समयावधि में स्कूल में उपस्थित होकर पूरे मनोयोग से विद्यार्थियों को अध्यापन कराने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका वास्तव, एस.डी.एम. श्रीमती रश्मि वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर शर्मा ने कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को उनके अध्ययन-अध्यापन के कार्यों के अलावा भूगोल विषय से संबंधित प्रश्न भी पूछा। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही-सही जवाब देने पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। शर्मा ने विद्यार्थियों से उनके लक्ष्य के संबंध में भी जानकारी ली।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य मेला का आयोजन सम्पन्न

सूरजपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सूरजपुर डॉ.आर.एस. सिंह के निर्देशन में तथा विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय सिंह के मार्गदर्शन में एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भांडी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि अध्यक्ष जनपद पंचायत ओड़गी, मनिहारी लाल पैकरा, ग्राम पंचायत भांडी के सरपंच राम रतन पैकरा की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केंद्र के अंतर्गत आने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र दवना, उप स्वास्थ्य केंद्र भांडी एवं उप स्वास्थ्य केंद्र भकुरा के समस्त स्टाफका सहयोग प्राप्त हुआ।

युवा महोत्सव के माध्यम से युवाओं को प्रतिभा प्रदर्शन का बेहतर अवसर मिल रहा

विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरबा पूर्व में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

प्रदेश के पारंपरिक, सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों के प्रति लोगों में बढ़ रही रुचि - कलेक्टर

युवा महोत्सव के पहले दिन जिले के 1073 प्रतिभागियों ने 38 विधाओं में किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिला प्रशासन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का शुभारंभ आज विद्युत गृह उच्चतर पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोरबा पूर्व क्रमांक-1 के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर ने कलेक्टर संजीव झा की मौजूदगी में किया।

महोत्सव के पहले दिन जिले के 1073 प्रतिभागियों ने 38 प्रकार के विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कंवर ने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक कला,संस्कृति और खेल गतिविधियों को महत्व देने का काम करते रही है। अब जिला स्तरीय युवा महोत्सव के माध्यम से जिले के ग्रामीण व शहरी अंचल के प्रतिभागियों को अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने का बेहतर अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजीव झा ने कहा कि शासन प्रदेश के सांस्कृतिक, पारंपरिक व खेल विधाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम कर रही है। इसके पूर्व जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का सफ्लतापूर्वक आयोजन हुआ था। इसी कड़ी में अब जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन हो रहा है। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि ये अच्छी बात है कि दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन तक विभिन्न पारंपरिक लोक कला, नृत्य, खेल व अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए अधिक संख्या में प्रतिभागियों का पंजीयन हुआ है। जिससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के लोक कला,नृत्य और पारंपरिक खेलों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ी है। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि इस आयोजन के बाद विजेता प्रतिभागी संभाग व राज्य स्तर के आयोजन में हिस्सा लेकर जिले व प्रदेश का मान बढ़ाएंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ श्री नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त श्री प्रभाकर पांडे, कोरबा एसडीएम श्रीमती सीमा पात्रे, कोरबा जनपद सीईओ सुश्री रुचि शार्दूल, तहसीलदार श्री मुकेश देवांगन, नगर निगम मेयर इन काउंसिल के सदस्य श्री संतोष सिंह राठौर व अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और प्रतिभागीगण मौजूद रहे। दो दिवसीय युवा महोत्सव का समापन 2 दिसंबर को होगा।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव में 38 विधाओं में 1073 प्रतिभागी हुए शामिल - युवा महोत्सव के पहले दिन 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 1073 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। युवा महोत्सव के अंतिम दिवस शुक्रवार को 40 वर्ष आयु वर्ग से अधिक के प्रतिभागी शामिल होंगे। पहले दिन युवा महोत्सव में शामिल प्रतिभागियों ने 38 प्रकार के विधाओं जैसे पारंपरिक नृत्य सुआ, पंथी, कर्मा नाचा, सरहुल नाचा, बस्तरिया लोक नृत्य, राउत नाचा के अलावा पारंपरिक खेल फुगड़ी, भौरा, खो खो, कबड्डी, पारंपरिक वेशभूषा, चित्रकला, वाद विवाद, निबंध प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इसके अलावा युवाओं ने लोक नृत्य, लोकगीत, एकांकी नाटक, शास्त्रीय गायन (हिंदुस्तानी), शास्त्रीय गायन (कर्नाटक), शास्त्रीय वादन - सितार वादन, बांसुरी वादन तबला वादन, मृदंग वादन, हारमोनियम वादन, गिटार वादन, कत्थक, भरतनाट्यम,ओडिसी, मणिपुरी, कुचिपुड़ी, वीणा वादन एवं तात्कालिक भाषण आदि पारंपरिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रस्तुतियां दी।

सैलानियों को शीघ्र मिलेगी तांदुला जलाशय के तट पर तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले में स्थित प्रसिद्ध तांदुला जलाशय के मनोरम दृश्य को निहारने के लिए आने वाले पर्यटकों को अब शीघ्र ही तांदुला जलाशय के तट पर तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क की सौगात मिलने वाली है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा आदमाबाद की ओर स्थित तांदुला जलाशय की तट पर शीघ्र ही तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने हेतु युद्धस्तर पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

अंग्रेज शासन काल में प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण वनाच्छादित क्षेत्र में निर्मित इस तांदुला जलाशय का सौंदर्य का लुत्फ उठाने बड़ी संख्या में पर्यटक तांदुला जलाशय में आते हैं। लेकिन तांदुला नदी के तट पर तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क का निर्माण हो जाने से यहाॅ आने वाले पर्यटकों के लिए इस स्थान के मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह पार्क खासा आकर्षण का केन्द्र रहेगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार 30 दिसम्बर को प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क के निर्माण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को यहाॅ आने वाले पर्यटकों को बेहतरीन परिवेश एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु सर्व सुविधायुक्त तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क निर्माण करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि इस ईको फ्रेन्डली पार्क में फूड गार्डन, प्लेग्राउण्ड, रेस्टोरेंट, बोटिंग की सुविधा, पाथवे निर्माण, वॉच टावर, हाईमास्ट एवं सोलर लाईट लगाने के कार्य, कॉटेज आदि का निर्माण कर यहाॅ आने वाले सैलानियों को बेहतर से बेहतर सुविधा एवं परिवेश प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों से इन सभी निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। शर्मा ने तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क में बनाए जाने वाले मार्ग के दोनो ओर पौधा लगाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से प्रवेश द्वार एवं पार्किंग स्थल के लिए चयनित स्थान के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने इस पार्क में पशुओं के आवागमन की रोकथाम हेतु प्रवेश द्वार में काउकैचर लगाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से पार्क में कैंटिन निर्माण हेतु चयनित स्थल तथा पूरे समय पेयजल की समुचित उपलब्धता तथा टायलेट आदि के निर्माण के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को इस सर्व सुविधायुक्त ईको पार्क के निर्माण हेतु शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा 04 माह के भीतर तांदुला ईको फ्रेन्डली पार्क के निर्माण कार्य को अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

विश्व एड्स दिवस: निकाली गयी जागरूकता रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। 1 दिसम्बर विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सीएमएचओ डॉ कुवर, सिविल सर्जन डॉ. विनोद भोयर के मार्गदर्शन में जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली नगर के मुख्य मार्गो से होकर पुनः जिला अस्पताल में संपन्न हुई, जिसमें जिला अस्पताल के अधिकारी-कर्मचारी एवं एएनएम नर्से शामिल हुई।

इस अवसर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे- रंगोली, निबंध लेखन, पोस्टर, क्वीज प्रतियोगिताएं शामिल है। एड्स दिवस पर जिला एडस नोडल अधिकारी डॉ डीके कश्यप, डीटीओ डॉ प्रभाकर धोटे, आईसीटीसीएलटी काउंसलर श्रीमती रीता पात्र, आईटीसी स्वाती राव, समबली नेताम, जितेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, शिक्षिकाए श्रीमती सरिता साहू, बसंती सलाम, दिपिका साहू उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि जिला अस्पताल नारायणपुर में आईसीटीसी केन्द्र है, जहाँ पर निशुल्क एचआईव्ही की जाँच और परामर्श दिया जाता है। गर्भवतीयों का एचआईवी जाँच अनिवार्य है अगर कोई व्यक्ति एचआईव्ही संक्रमित्र पाया जाता है तो साथ में टीबी जाँच अनिवार्य कराया जाता है। व्यक्ति का जाँच के बाद एचआइव्ही पॉजिटिव पाया जाता है तब उत्तर में गोपनियता का ध्यान रखते हुए परामर्श दिया जाता है। इसके बाद एआरटी एंड एंटी रिहो वायरल थेरेपी के लिए जगदलपुर रेफर किया जाता है, जहां दवाई और ईलाज नि: शुल्क दिया जाता है। एचआइव्ही संक्रमित व्यक्तियों के कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही है, जिसमे हमारे द्वारा बस पास और राशन कार्ड नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत एचआइव्ही जाँच टेक आहना परियोजना से फिल्ड वर्कर पदस्थ है। अगर गर्भवती महिला एचआइव्ही पॉजिटिव पाई जाती है तो स्वर और आहना मिलकर गर्भवता से बच्चें को 15 महिने तक ईलाज, जांच और देखभाल किया जाता है।

संयुक्त टीम ने चार बच्चों को कराया बालश्रम से मुक्त

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फत आरा के निर्देश पर समय-समय पर बाल श्रम हेतु अभियान चलाकर जिला बाल संरक्षण इकाई (महिला एवं बाल विकास विभाग) श्रम विभाग, पुलिस एवं चाईल्ड लाईन द्वारा भवन निर्माण ढ़ाबा, होटलों, कारखानों, गैरेजों एवं संभावित ठीकानों पर निरीक्षण किया जाता है और पाये गये बाल श्रमिकों को मुक्त कराकर नियोक्ताओं के खिलाफकार्यवाही श्रम विभाग द्वारा किया जाता है। इसी कड़ी में संयुक्त टीम सूरजपुर नगर में भ्रमण कर निरीक्षण के दौरान दो स्थानों से चार बाल श्रमिकों को मुक्त करा कर उन्हें परिवार में पुर्नस्थापीत कराया गया और भविष्य में बाल श्रम न कराने हेतु परिवार जनों को समझाईश दी गई।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

विलुप्त हो रही देवार शैलियों को संजोया जाए: मंत्री अमरजीत भगत

करतब दिखाने वाले समूहों का किया जाए संरक्षण व संवर्धन

संस्कृति विभाग का अपना 'लोगो' तैयार करने के निर्देश

आगामी बजट के लिए प्रस्तावों पर हुई चर्चा

संस्कृति मंत्री की अध्यक्षता में छत्तीगसगढ़ संस्कृति परिषद् के सदस्यों की बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की अध्यक्षता में आज छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद् की बैठक हुई। बैठक में अकादमियों और शोधपीठ के अध्यक्ष एवं सदस्य विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक रायपुर के विधायक कॉलोनी स्थित सरगुजा कुटीर में संपन्न हुई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद् के अध्यक्ष और संस्कृति मंत्री भगत परिषद के उपाध्यक्ष हैं।

मंत्री भगत के अध्यक्षता में हुई बैठक में बजट पूर्व तैयारियों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 में किए गए कार्यों तथा आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में किए जाने वाले कार्य योजनाओं के संबंध में बिन्दुवार चर्चा की गई। बैठक में अकादमियों और शोधपीठ के अध्यक्षों व सदस्यों ने कला संस्कृति की अलग-अलग विधाओं को संरक्षित करने उनके संवर्धन तथा नवाचार के संबंध में अपने-अपने कार्ययोजना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंत्री भगत ने जनजातीय एवं लोककला अकादमी, कला अकादमी, साहित्य अकादमी सहित सभी विधाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करने पर बल दिया। मंत्री भगत ने संस्कृति विभाग का एक अलग 'लोगो' तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद् की उपाध्यक्ष भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में प्रदेश की कला-संस्कृति, परंपराओं सहित सभी विधाओं को एक छत के नीचे लाकर संरक्षण एवं संवर्धन की मंशा सार्थक हो रही है। प्रदेश में विलुप्त हो रही विधाओं को संजोने एवं आगे बढ़ाने के लिए विगत् 04 वर्षों में परिणाममूलक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिली है।

संस्कृति मंत्री भगत ने बैठक में कहा कि प्रदेश के विविध लोककला शैलियों की तरह देवार शैली में प्रचलित गीत-संगीत, कला-संस्कृति, नाचा-गम्मत राज्य की विरासत है। इसे सहेजने के लिए विशेष उपाय किए जाएं। उन्होंने करतब दिखाने वाले नट समूहों के कलाबाज लोगों को ढूंढ कर उनके संरक्षण और संवर्धन करने पर जोर दिया। मंत्री भगत ने कहा कि पंथी नृत्य, राऊत नृत्य देश और विदेश में प्रसिद्ध है। इन पर भी विशेष कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जनजातीय, लोक चित्रकारों, मूर्तिकारों के लिए कार्यशाला आयोजन कर उनकी कला विधाओं को सहेजने की दिशा में काम किया जाए। सांस्कृति एवं अन्य लोक विधाओं पर आधारित कार्यक्रम केवल राजधानी स्तर पर न हो। प्रदेश के संभागों एवं जिलों में भी जगह चिन्हांकित कर क्षेत्रीय लोगों के रूची के अनुरूप अलग-अलग विधाओं में कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्कृति परिषद् के अंतर्गत अकादमियों और शोधपीठ के सदस्यों के सोच अनुरूप भी नवाचार किया जाए।

परिषद् की बैठक में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सचिव अन्बलगन पी., संचालक संस्कृति विवेक आचार्य सहित छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के अध्यक्ष राम गिडलानी, आदिवासी एवं लोक कला अकादमी के अध्यक्ष नवलकिशोर शुक्ल, कला अकादमी के निदेशक योगेन्द्र त्रिपाठी, श्रीकांत वर्मा शोधपीठ के अध्यक्ष रामकुमार तिवारी, चित्रकला-मूर्तिकला विशेषज्ञ सुश्री सुनीता वर्मा, नृत्यकला विशेषज्ञ सुश्री वासंती वैष्णव, कला विशेषज्ञ भूपेश तिवारी, छत्तीसगढ़ राजभाषा के सचिव डॉ. अनिल भतपहरी, सिंधी अकादमी सदस्य के उपाध्यक्ष नानक रेलवानी, लोक कला अकादमी के सदस्य कालीचरण यादव सहित संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में 16.95 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में निःशुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अंतर्गत अब तक 16 लाख 95 हजार 222 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 844 स्कूलों, 41 हजार 661 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 278 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सबसे अधिक 1 लाख 47 हजार 816 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रति दिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वाटर की व्यवस्था भी की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत अब तक राजनांदगांव जिलें में 1 लाख 23 हजार 594, रायपुर जिलें में 1 लाख 3 हजार 18, रायगढ़ जिलें में 1 लाख 2 हजार 414, धमतरी जिले में 1 लाख 673, बलौदाबाजार-भाटापारा में 84 हजार 405, बेमेतरा 79,994, कवर्धा 82 हजार 415, दुर्ग 76 हजार 285, बिलासपुर जिले में 77 हजार 618 और महासमुंद जिलें में 74 हजार 285 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह गरियाबंद 63 हजार 539, बीजापुर 18 हजार 804, कांकेर 53 हजार 333, नारायणपुर 10 हजार 355, मुंगेली में 59 हजार 904, बालोद में 62 हजार 54, दंतेवाड़ा में 17 हजार 300, कोण्डागांव में 37 हजार 709, बस्तर में 48 हजार 227, कोरिया में 38 हजार 482, सुकमा में 16 हजार 816, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 17 हजार 558, सूरजपुर में 37 हजार 669, जशपुर में 45 हजार 388, कोरबा में 43 हजार 411, बलरामपुर में 37 हजार 392 और सरगुजा जिले के 34 हजार 728 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने में सहकारी बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिकाः फुलबासन यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपेक्स बैंक द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी प्रशिक्षण संस्थान में स्वयं सहायता समूह, फार्मर क्लब एवं संयुक्त देयता समूह पर आधारित विषय पर प्रदेश के सहकारी बैंकों के अधिकारियों व कर्मचारियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री फुलबासन यादव ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक आत्मनिर्भरता बनाये जाने में सहकारी बैंकों के अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिला। सहकारी बैंक और स्व-सहायता समूह सुख-दुख के साथी रहे है और एक-दूसरे की मदद करते रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भरोसा को-ऑपरेटिव्ह बैंको पर अधिक है। सहकारी बैंक किसानों का बैंक है। किसानों की खेतिगत ऋण आवश्यकता की पूर्ति में सहकारी बैंक पूरी तत्परता से काम कर रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में गांव, गरीब किसान व खेतिहर मजदूरों, वनांचल क्षेत्र के आदिवासियो एवं महिलाओं के बैंक खाते में सहकारी बैंकों के द्वारा कृषि आदान की सहायता राशि सतत रूप से किसानों के खाते में अंतरण किया जा रहा है, जिससे लोगों में खुशहाली एवं समृद्धि आई है।

अपेक्स बैंक के डीजीएम एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक भूपेश चंद्रवंशी ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रदेश के सहकारी बैंकों, प्राथमिक सेवा सहकारी समितियों एवं सहकारी प्रतिनिधियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, ताकि बैंक एम्प्लाइज में बैंकिग टेक्नालाजी का ज्ञान व कौशल में वृद्धि हो। बैंकिंग कार्य अधिक व्यवहारिक व सुगम हो, ऐसी हमारी कोशिश होगी कि सतत रूप से गुणवतापूर्ण प्रशिक्षण आयोजित हो सके। प्रशिक्षण समापन अवसर पर प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक ए. के.लहरे, अपेक्स बैंक एजीएम अरुण पुरोहित, एजीएम अजय भगत, प्रबंधक सी.पी.व्यास, लेखा अधिकारी प्रभाकर कांत यादव और प्रशिक्षण प्रतिभागी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष एवं कृषि मंत्री ने बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

बीमा रथ के जरिए किसानों को मिलेगी फसल बीमा की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कृषि मंत्री के निवास से बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रथ 15 दिसंबर तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में भ्रमण करेगा और किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना के प्रति जागरूक करेगा। उल्लेखनीय है कि रबी मौसम वर्ष 2022 में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 1 से 7 दिसंबर के मध्य चौथा फसल बीमा सप्ताह मनाया जा रहा हैं। इस सप्ताह के अंतर्गत किसानों को फसल बीमा से होने वाले लाभ, साथ ही फसल बीमा लेने की प्रक्रिया और लाभार्थी किसानों की कहानियों की जानकारी दी जाएगी, ताकि फसल बीमा की लाभ से कोई भी कृषक वंचित न रहे, अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सके।

गौरतलब है कि दोनों बीमा योजना से लाभ लेने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2022 है। इस बीमा रथ के माध्यम से किसानों को तय तिथि तक फसल बीमा योजना का लाभ लेने की अपील की जाएगी। इस अवसर पर अपर संचालक कृषि अभियांत्रिकी जीके पीढ़िहा, अपर संचालक उद्यानिकी भूपेन्द्र पाण्डेय, संयुक्त संचालक कृषि बीके मिश्रा, उप संचालक कृषि रायपुर आरके कश्यप एवं कृषकगण उपस्थित थे।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय करेगी रूरल इण्डस्ट्रियल पार्क योजना में सहयोग

राज्य योजना आयोग की पहल पर रीपा को बेहतर तरीके से लागू करने गौठानों से जुड़े स्व-सहायता समूहों और अधिकारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

हार्वर्ड विश्वविद्यालय डिजाइनिंग लैब के प्रतिनिधि ने दिया मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अमेरिका की हार्वर्ड विश्वविद्यालय अब छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'रूरल इंडस्ट्रियल पार्क' (रीपा) योजना में सहयोग करेगी। राज्य योजना आयोग एवं ट्रांसफार्मिंग रूरल इंडिया फांउडेशन के बीच संपादित हुए एमओयू के माध्यम से हार्वर्ड विश्वविद्यालय के डिजाइन लैब द्वारा योजना आयोग भवन में एक एवं 2 दिसम्बर को दो दिवसीय 'कम्युनिटी डिजाईन फेसिलिटेटर' विकसित करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने की। समारोह में योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह, हार्वर्ड विश्वविद्यालय से डॉ. एन्द्रे नौगेरिया, रीपा के नोडल अधिकारी गौरव सिंह एवं टीआरआईएफके प्रबंध निदेशक अनिश कुमार ने अपने महत्वपूर्ण विचार रखे और गौठानों से जुड़े अधिकारियों एवं स्व-सहायता समूह के सदस्यों को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रदीप शर्मा ने रीपा योजना में सहयोग के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रीपा गांव की समृद्धि को एक नया आयाम देने वाली योजना है, जिसकी प्लानिंग गंभीरता से की जा रही है। इसके विविध पहलुओं पर ध्यान देते हुए योजना में नॉनफार्म गतिविधियों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए डिजाईन थिंकिंग से योजना क्रियान्वयन हेतु हार्वर्ड की मदद महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि रीपा योजना के अंतर्गत विविध क्षेत्र जैसे वनोपज, सेवा आधारित उद्योग, एफएमसीजी इत्यादि को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

डॉ. एन्द्रे नौगेरिया ने समारोह में जिलों से आए गौठान समिति के सदस्य एवं इनके साथ आए नोडल अधिकारियों को डिजाईन थिंकिंग फ्रेमवर्क को कैसे सोसियल, पब्लिक पॉलीसी में उपयोग किया जा सकता है इसके बारे में विस्तार से समझाया। योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह ने शासन की महत्वपूर्ण योजना रीपा में सहयोग करने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित सहभागियों से रीपा को सफल बनाने के लिए बेहतर प्लान के साथ काम करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिये समाज के सभी वर्गो की भागीदारी आवश्यक है। जो विकास की मुख्यधारा से छुटे हुये हैं उसको सम्मिलित करना इस योजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। राज्य योजना आयोग इस महत्वपूर्ण योजना की सफलता के लिये हर तरह से सहायता देने का प्रयास करेगा ।

कार्यशाला में रायपुर, रायगढ़, कांकेर एवं बस्तर जिले के चयनित ग्राम गोठान समिति के सदस्य, प्रतिभाशाली उद्यमी एवं स्वसहायता समूह के सदस्यों तथा बिहान के सीईओ सुश्री एलीस लकड़ा तथा एसपीएम एवं डीपीएम ने जमीनी स्थिति के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में मुक्तेश्वर सिंह, प्रशांत चिन्नापानवर, श्रीश कल्याणी, सुश्री निरजा कुद्रीमोती, अभय तिवारी एवं सुश्री यामिनी लहरे मौजूद थीं। कार्यक्रम का संचालन राजीव त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन राज्य योजना आयोग के सदस्य अनुप श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कृति सैनन ने प्रभास के साथ अपने रिश्ते की खबरों को बताया निराधार

अभिनेत्री कृति सैनन पिछले कुछ समय से बाहुबली उर्फ प्रभास के साथ अपने अफेयर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके रिश्ते को लेकर चर्चा और तेज तब हुई, जब वरुण धवन ने इस खबर को हवा दे दी। हालांकि, कृति और प्रभास ने काफी समय से अपने रिश्ते पर चुप्पी साधी हुई थी। अब आखिरकार कृति ने प्रभास के साथ अपने अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ दी है। कृति ने सोशल मीडिया पर लिखा, ये ना प्यार है और ना ही पीआर। हमारे भेड़िया (वरुण धवन) शो में कुछ ज्यादा ही वाइल्ड हो गए। उनके मस्ती-मजाक ने ऐसी अफवाहों की बढ़ावा दे दिया। कृति ने आगे लिखा, इससे पहले कुछ पोर्टल हमारी शादी की तारीख का भी ऐलान कर दें, मैं इसे यहीं खत्म कर देना चाहती हूं। ये अफवाहें पूरी तरह से निराधार हैं। इसके साथ ही कृति ने एक हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी बनाया है।

वरुण-कृति हाल ही में शो झलक दिखला जा के मंच पर पहुंचे थे, जहां वरुण को कोई टास्क दिया जाता है, जिस दौरान उनके हाथ में एक लिस्ट होती है। इसमें कृति का नाम नहीं होता है। कृति का नाम क्यों नहीं है, इसके जवाब में वरुण कहते हैं, उनका नाम इसलिए नहीं है, क्योंकि वह किसी के दिल में है। एक आदमी है, जो मुंबई में नहीं है। वह इस समय दीपिका पादुकोण के साथ शूटिंग कर रहा है।

बीते दिन सोशल मीडिया पर इस खबर ने भी खूब जोर पकड़ा कि कृति और प्रभास सगाई करने वाले हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, आदिपुरुष के सेट पर प्रभास ने कृति को घुटनों पर बैठकर प्रपोज किया और जवाब में कृति ने उन्हें हां कहा। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के परिवारवाले उनके रिश्ते से खुश हैं और प्रभास-कृति जल्द ही सगाई करने वाले हैं। फिल्म आदिपुरुष के सेट पर पहले दिन ही दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी हो गई थी। कृति और प्रभास की तरह कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी अपने प्यार का सरेआम इजहार नहीं किया है। हालांकि, खबरें हैं कि दोनों अगले साल अप्रैल में शादी करने वाले हैं, लेकिन कियारा और सिद्धार्थ भी अपना रिश्ता मीडिया से छिपा रहे हैं।

काम के मोर्चे पर बात करें तो प्रभास तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म सालार में नजर आएंगे। फिल्म में अभिनेत्री श्रुति हासन उनके साथ दिखाई देंगी। नाग अश्विन के निदेशन में बनी रही फिल्म प्रोजेक्ट के भी उनकी खूब सुर्खियों में है, जिसमें उनकी जोड़ी दीपिका पादुकोण के साथ बनी है। दूसरी तरफ कृति जल्द ही फिल्म गणपत में नजर आएंगी। इसमें उनके हीरो टाइगर श्रॉफ हैं। वह कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म शहजादा में भी काम कर रही हैं।

सिरदर्द से परेशान हैं तो इन 5 चीजों के सेवन से बचें, बढ़ सकती है समस्या

सिरदर्द के कारण कई लोग काफी असहज और विचलित हो जाते हैं और उससे छुटकारा पाने के लिए दर्द निवारक दवाइयों का सेवन करने लगते हैं। हालांकि, ये दवाइयां भी आपको तब तक पूरी तरह राहत नहीं दिला सकती है, जब तक कि आप इस समस्या को बढ़ाने वाली खान-पान की चीजों का सेवन करते रहेंगे। आइए आज हम आपको पांच ऐसी खान-पान की चीजों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन सिरदर्द को बढ़ाने का कारण बन सकती हैं।

दुग्ध उत्पाद

दुग्ध उत्पाद कई पोषक तत्वों के भरपूर होते हैं, लेकिन अगर कभी सिरदर्द हो तो दूध या फिर चीज जैसे दुग्ध उत्पादों से परहेज करना ही बेहतर होगा। दूध सिरदर्द सिरदर्द को बढ़ाने का सामान्य कारण माना जाता है। अगर आप लैक्टोज को सहन करने में अक्षम हैं तो फिर यह आपके लिए और भी घातक सिद्ध हो सकता है। इसी तरह चीज में टायरामाइन नामक खास तत्व होता है, जो रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर सिरदर्द बढ़ाता है।

खट्टे फल

खट्टे फल विटामिन- सी का बेहतरीन स्त्रोत होते हैं, जिस कारण इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक माना जाता है। हालांकि, ज्यादातर खट्टे फलों में विटामिन- सी समेत ऑक्टोपामाइन नामक तत्व मौजूद होता है, जो सिरदर्द को बढ़ाने का कारण बन सकता है। जो लोग खट्टे फल बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें भी संतरा, मौसमी, नींबू और अंगूर का सेवन करने से सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

आर्टिफिशियल मिठास

आजकल बाजार या फिर ऑनलाइन ग्रॉसरी साइट्स पर ऐसी खान-पान की चीजें आसानी से उपलब्ध हैं, जो आर्टिफिशियल मिठास से युक्त होती हैं। हालांकि, सिरदर्द के रोगियों के लिए ऐसी चीजों का सेवन परेशानी बढ़ा सकता है। इसका कारण है कि आर्टिफिशियल मिठास शरीर में डोपामाइन के स्तर को कम कर सकती है, जिससे सिरदर्द बढ़ सकता है। ऐसे में सिरदर्द की समस्या से परेशान लोगों को ऐसी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए।

चॉकलेट

चॉकलेट बच्चों से लेकर बड़ो तक सभी को बहुत पसंद आती है। हालांकि, सिरदर्द होने पर इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इससे आपकी समस्या बढ़ सकती है। चॉकलेट में कैफीन और टायरामाइन मौजूद होता है और ये सिरदर्द बढ़ाने में सहायक होते हैं। ऐसे में चॉकलेट के चार-पांच टुकड़े चॉकलेट खाने से आपको तेज सिरदर्द हो सकता है। हालांकि, चॉकलेट खाने की तेज इच्छा होने पर सीमित मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन किया जा सकता हैं।

चाय या कॉफी

बहुत से लोग सिरदर्द होने पर चाय या फिर कॉफी का सेवन करना सही समझते हैं, जबकि ये पेय पदार्थ आपकी समस्या को बढ़ाने की वजह बन सकते हैं। दरअसल, ये पेय पदार्थ कैफीन युक्त होते हैं और अगर आप इनका सेवन सिरदर्द होने पर करते हैं तो इससे दर्द और ज्यादा बढ़ सकता है। इनकी बजाय ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं। यह सिरदर्द को कम करने में काफी मदद कर सकता है।

लाल सेब बनाम हरा सेब

दोनों में से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए है बेहतर?

अच्छे स्वास्थ्य के लिए सेब का सेवन फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसकी कई किस्में होती हैं। ज्यादातर लोग हरे और लाल सेब को लेकर उलझन में रहते हैं कि इनमें से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर है। अगर आप भी इसी कशमकश में रहते हैं तो आपको बता दें कि दोनों सेबों में ज्यादा अंतर नहीं है। आइए जानते हैं कि लाल सेब और हरे सेब में से कौन सा सबसे ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक है।

हरे सेब में कौनसे पोषक तत्व मौजूद रहते हैं?

हरे सेब स्वाद में खट्टे होते हैं और इनका छिलका मोटा होता है। हरे सेब में लाल सेब की तुलना में विटामिन- ए, विटामिन- बी, विटामिन- सी, विटामिन- ई और विटामिन- के की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है। इसी तरह हरे सेब में लाल सेब की तुलना में अधिक आयरन, पोटैशियम, प्रोटीन भी होता है। इसके अलावा हरे सेब में कार्बोहाइड्रेट की कम मात्रा के साथ शुगर भी कम होती है।

लाल सेब में कौनसे पोषक तत्व होते हैं?

लाल सेब का स्वाद मीठा और रसीला होता है। इसका छिलका पतला, रसीला और लाल होता है। इसके छिलके का लाल रंग एंथोसायनिन नामक विशेष तत्व की उपस्थिति के कारण होता है। लाल सेब में हरे सेब की तुलना में पोषण मूल्य कम होता है और इसमें शुगर की मात्रा भी अधिक होती है। हालांकि, इस सेब में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण की उच्च मात्रा मौजूद होती है।

लाल और हरे सेब में प्रमुख अंतर समेत फायदे

लाल और हरे सेब के छिलके का रंग अलग-अलग होता है और इनका स्वाद भी एक-दूसरे से भिन्न होता है। इनके फायदों की बात करें तो हरे सेब का सेवन वजन घटाने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह सेब पाचन, फेफड़े और किडनी के लिए सबसे ज्यादा लाभदायक साबित हो सकता है। लाल सेब का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में मददगार है और इसका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी सक्षम है।

लाल और हरे सेब में से स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर कौनसा है?

अब बारी आती है यह उलझन दूर करने की कि लाल और हरे सेब में से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर है। हरे सेब के कुछ पौष्टिक तत्व लाल सेब से थोड़े ज्यादा हैं और कैलोरी के मामले में भी लाल सेब से बेहतर है। इसलिए सीमित मात्रा में हरे सेब का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि लाल सेब के सेवन से कोई नुकसान होता है।

साड़ी पहने अप्सरा सी दिखीं रुबीना दिलैक

एलिगेंट लुक ने जीते लाखों फैंस के दिल

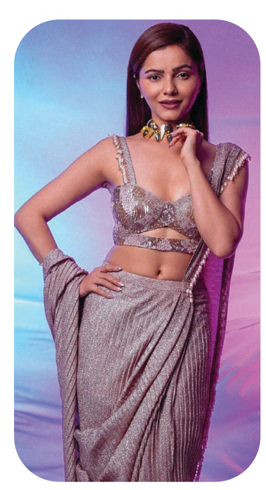

बॉलीवुड एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा से अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीतती हुई आई हैं। एक्ट्रेस हाल ही में अपने लेटेस्ट लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रुबीना दिलैक हर समय फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं, जो तेजी से फैंस के बीच वायरल होने लग जाती हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इन दिनों सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक का बेहद ही स्टाइलिश अंदाज एक बार फिर से कैमरे में कैद हो गया है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने सिल्वर साड़ी पहनी हुई है, जिसमें एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश कटआउट डीप नेक ब्लाउज वेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर और हॉट अदाएं दिखाते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। रुबीना सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ हमेशा जुड़ी हुई रहती हैं। फैंस भी एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति कमांक 26 वर्ष 2022—23

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नालिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि/भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

602	602	सरस्वती निर्मलकर/विरेन्द्र निर्मलकर	कचरी बाई यादव/झुमुक यादव, मंगलिन बाई यादव/स्व. मंगलूराम यादव	वार्ड क्रं. 13 न्यू आमापारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
603	603	ओंकारेश्वरी साहू/कमलेश कुमार साहू	संजय गुप्ता/धनराज गुप्ता	वार्ड क्रं. 59 कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
604	604	शरद पशीने/सुकुमार पशीने	पूनम कौरे/रिम्पाल सिंह	वार्ड क्रं. 52 विनसी विहार बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
605	605	मीना जैन/उत्तम चंद जैन	कविता जैन/राजेन्द्र कुमार जैन	वार्ड क्रं. 39 ऋषभ नगर कचहरी वार्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
606	606	अन्नपूर्ण कदम/सुरेश राव कदम	हिम्मत लाल/भगवान जी सरवैय्या	वार्ड क्रं. 13 मां चामुण्डा निवास न्यू आमापारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा,
607	607	राधिका कारिया/कल्पेश कारिया	बसंत कुमार/स्व. चम्पालाल जी कटारिया (जैन)	वार्ड क्रं. 55 प्लाट नं. I/401, ऋष ग्रीन सिटी ONYX पुलगांव दुर्ग	पंजीकृत बयनामा,
608	608	राकेश चौर/रमेश चौरे	रमेश/राकेश/प्रभुदास चौरे	वार्ड क्रं. 12 विजय नगर दुर्ग	ऋण पुस्तिका बी—1
609	609	विजयम्मा पी.एल./एम.एस.आर. नायर	अभिषेक बाजपेयी/स्व. नलिन कुमार बाजपेयी	वार्ड क्रं. 49 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा,
610	610	फत्तुलाल/झुमुकलाल, अगसिया बाई/स्व. प्रेमलाल तुलसी, सुरेश रामेश्वरी तीनो के पिता स्व. प्रेमलाल	ढेला बाई/झुमुक	वार्ड क्रं. 33 ढीमर पारा दुर्ग	न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग छ.ग. आदेश पारित दिनांक 08.09.2014

नामांतरण अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सामतरा-गोरेगांव में शाला प्रबंधन समिति प्रशिक्षण संपन्न

नगरी। संकुल केंद्र अमाली अंतर्गत गोरेगांव ,सामतरा, टेंगना,अमाली व फरसियॉ के प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला में दो दिवसीय प्रबंधन समिति समुदाय का उन्मुखीकरण कार्यक्रम में स्स्ष्ट के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में समिति व पालक के रूप में अपने स्कूल में जाकर आप क्या क्या देखते हैं ।आपके शाला के आस-पास हो रहे बेहतर कार्य, स्कूल की शिक्षा में सुधार हेतु संकल्प, शाला विकास योजना बनाना, बस्ता विहीन शनिवार हेतु जानकारी, मूलभूत साक्षरता एवं गणिती कौशल विकास क्षमता विकास शाला निरीक्षण से संबंधित रोल प्ले ,उन्मुखीकरण कार्य योजना, विद्यार्थी विकास सूचकांक आदि बिंदुओं पर चर्चा किया गया ।के0पी0साहू समन्वयक संकुल-केन्द्र अमाली के निर्देशन में कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर चुलेश्वरी पायल, चंद्रप्रभा साहू ,राकेश कुमार कोसरिया, हर्ष लता साहू, गंगा नवरंग ,नीलिमा साहू, उषा साहू, ममता प्रजापति मनोज कुमार गंजीर ,शेष कुमार सोम, भूपेंद्र नारायण देवांगन ने प्रशिक्षण दिया ।सदस्यों के दक्षता को विकसित किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति, रायपुर के सहयोग से जन कल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव द्वारा जिलें के विभिन्न स्थानों पर एच0आई0वी0/एड्स जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा जिले के 10 ग्रामों, ग्राम-बखत रेंगाकठेरा, बढ़ाईटोला, पटेवा, खैरा, झुरानदी, खैरा, माथलडबरी, मेढ़ा, अण्डी एवं सुरगी में संगोष्ठी, रैली के माध्यम से एच0आई0वी0/एड्स संक्रमण के कारण एवं बचाव के बारे मे विस्तार पूवर्क जानकारी दी गई। यह जागरूकता कार्यक्रम विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों व ग्राम पंचायतों में किया गया, जिसमें मुख्य रूप से समुदाय, युवा वर्ग, महिलाएं, मितानिन, पंचायत प्रतिनिधि, स्कूल प्रध्यापक, आगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुए। ग्राम खैरा, घुमका के शासकीय हाई स्कूल की छात्राओं द्वारा एवं कार्यकर्ताओं द्वारा रंगोली बनाकर एच0आई0वी0/एड्स के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

मत्स्य उत्पादों को बढ़ावा विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले मत्स्यपालन विभाग ने वर्तमान में चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में 29 नवंबर 2022 को हिमीकृत मछली और मत्स्य उत्पादों को बढ़ावा विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

जतीन्द्र नाथ स्वैन, सचिव, मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार ने इस वेबिनार की अध्यक्षता की और इसमें उद्यमियों, मत्स्य संघों, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार के अधिकारियों, विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मत्स्यपालन अधिकारियों, राज्य कृषि, पशु चिकित्सा और मत्स्य विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों, मत्स्य अनुसंधान संस्थानों, मत्स्य सहकारी अधिकारियों, वैज्ञानिकों, छात्रों और पूरे देश के मत्स्यपालन हितधारकों ने हिस्सा लिया।

वेबिनार की शुरुआत सागर मेहरा, संयुक्त सचिव अंतर्देशीय मात्स्यिकी विभाग के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने देश में मात्स्यिकी क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, डीओएफ की प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और हाशिए पर

रहनेवाले समुदायों के लिए पोषण संबंधी आवश्यकता सुनिश्चित करने और घरेलू स्तर पर मछली व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए घरेलू मछली की खपत में वृद्धि का महत्व जैसे विषयों पर संक्षेप रूप में चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि वैश्विक मत्स्य बाजारों में अनिश्चितता होने पर सुनिश्चित क्षेत्रीय विकास के लिए घरेलू मछली खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत में एक जोखिम शमन योजना होनी चाहिए।

अपने मुख्य भाषण में, श्री जतीन्द्र नाथ स्वैन, सचिव, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने उपभोक्ता आधार को व्यापक बनाने के लिए हिमीकृत मछली और मत्स्य उत्पादों को सुलभ बनाने और महत्वपूर्ण रूप से हिमीकृत मछली और मत्स्य उत्पादों को बेचने के लिए उपभोक्ताओं में विश्वास कायम करने की दिशा में काम करने पर प्रकाश डाला। उपभोक्ताओं के विश्वास को बढ़ावा देने के लिए, उन्होंने सलाह दिया कि चूंकि वर्तमान निर्यातक कठोर गुणवत्ता मांग का पालन करते हैं इसलिए समान गुणवत्ता वाले हिमीकृत मछली और मत्स्य उत्पादों का आवश्यक मार्क और प्रमाणन के साथ घरेलू बाजार में विस्तार किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शहरी, अर्ध-शहरी और आंतरिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं तक इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए अन्य उत्पादों की मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला का उपयोग करने पर भी बल दिया।

बीएसपी बिरादरी ने माह नवम्बर में कीर्तिमानों की झड़ी लगा दी

यूआरएम, ओएचपी, आरएमपी, सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेसे, एसएमएस-3 ने सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के रचे कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूआरएम, ओएचपी, आरएमपी, सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेसेस् तथा एसएमएस-3 ने उत्पादन के साथ-साथ टेक्नो-इकॉनामिक्स में भी नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार ने कार्मिकों व अधिकारियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई प्रेषित की। साथ ही उन्होंने इन विभागों के सहयोगी विभागों को भी शुभकामनाएं दी।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मोडेक्स यूनिट, यूनिवर्सल रेल मिल ने नवम्बर 2022 में रेल्स उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज किया। इसके साथ ही यूआरएम ने मासिक कीर्तिमानों की हैट्रिक लगाई। यूनिवर्सल रेल मिल ने नवम्बर 2022 में सर्वश्रेष्ठ मासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए 76,498 टन फिनिष्ड रेल 72,027 टन प्राइम रेल की रोलिंग कर अक्टूबर 2022 में फिनिष किए गए 75537 टन फिनिष्ड रेल तथा 71125 टन प्राइम रेल के अपने पिछले मासिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इसी क्रम में 260 मीटर पैनल के 4929 नग का इंस्पेक्षन करने के साथ ही वेल्डेड पैनल्स के 6834 ज्वाइंट्स का इंस्पेक्षन कर नवम्बर 2022 का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है जो कि क्रमषः अक्टूबर, 2022 में स्थापित 4359 नग पैनल इंस्पेक्षन तथा 5859 ज्वाइंट्स इंस्पेक्षन के रिकॉर्ड से कहीं अधिक है।

इसके अतिरिक्त 77 नग ईयूआर-रेक प्रेषण कर, अक्टूबर 2022 में स्थापित 75 रेक प्रेषण के पिछले उत्पादन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे एवं राइट्स से प्राप्त सहयोग से इन उपलब्धियों को पाना संभव हो सका। इसके अलावा, यूआरएम ने नवम्बर माह में 30 नवम्बर 2022 को वैगनों में 260 मीटर पैनल के 310 नग लोड करके नया रिकॉर्ड बनाते हुए 28 नवम्बर 2022 को 254 पैनलों के अपने पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट ने नवम्बर, 2022 को कच्चे माल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ डिस्पैच रिकॉर्ड दर्ज करते हुए मासिक कीर्तिमानों की हैट्रिक लगाई है। ओर हैंडलिंग प्लांट की पूरी टीम ने सहायक विभागों के सहयोग से संयंत्र के विभिन्न उत्पादन शॉप्स को 10,05,650 टन कच्चे माल का डिस्पैच कर अब तक का उच्चतम मासिक प्रेषण दर्ज करते हुए अक्टूबर, 2022 को स्थापित 10,00,150 टन के पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नया रिकॉर्ड कायम किया। इसी प्रकार नवम्बर, 2022 को अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक मटेरियल हैंडलिंग का नया रिकॉर्ड दर्ज करते हुए 19,11,339 टन मटेरियल हैंडलिंग कर अक्टूबर 2021 को स्थापित 18,45,735 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। कीर्तिमान के क्रम में संयंत्र के रिफ्रेक्टरी मटेरियल प्लांट (आरएमपी-3) के एलडीसीपी टीम ने नवम्बर, 2022 को सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज करते हुए 50,518 टन उत्पादन किया जो कि मई, 2022 को स्थापित पिछले उत्पादन रिकॉर्ड 41,260 टन से कहीं अधिक है। इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन के साथ ही सर्वश्रेष्ठ नवम्बर का उत्पादन भी दर्ज किया गया। यह नवम्बर 2021 के उत्पादन से 62 प्रतिषत अधिक है। इस विभाग के एलडीसीपी बिरादरी ने 30 नवम्बर 2022 को 2439 टन लाइम एवं कैल्साइन्ड डोलोमाइट का डिस्पैच कर दैनिक रिकॉर्ड बनाते हुए अपने 6 फरवरी 2022 को बनाए गए 2306 टन के दैनिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

टीबी एवं कुष्ट रोग लक्षण वाले मरीजों की सघन खोज अभियान आज से शुरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले में टीबी एवं कुष्ठ रोग के उन्मूलन हेतु समुदाय में प्रत्येक मरीज की पहचान कर जांच एवं उपचार किया जाना अत्यंत आवश्यक है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया की इस हेतु जिले में 01 दिसम्बर 2022 से 21 दिसम्बर 2022 तक सघन टी.बी. एवं कुष्ठ खोज अभियान चलेगा। अभियान के दौरान स्वास्थ्य अमले द्वारा घर-घर भ्रमण कर टीबी एवं कुष्ठ के संभावित मरीजों की पहचान कर उनका जांच करना एवं धनात्मक मरीजों को उपचार प्रदाय किया जाना है।

उन्होंने बताया की उक्त अभियान के दौरान संभावित टीबी मरीजों की जाँच माईकोस्कोपी व नॉट पद्धति से किया जाना है। सघन टीबी खोज सर्वे दल द्वारा किया जावेगा, मितानिन के द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में 01 दिसम्बर 2022 से 15 दिसम्बर 2022 तक घर-घर भ्रमण कर टीबी एवं कुष्ठ रोग के लक्षण के आधार पर संभावित मरीजों की पहचान की जावेगी तथा 16 दिसम्बर से 21 दिसम्बर 2022 अवधि के दौरान मितानिन द्वारा खोजे गये शंकास्पद टीबी एवं कुष्ठ के मरीजों का पुनः परीक्षण संबंधित क्षेत्र के एमपीडब्ल्यू एवं एनएमए द्वारा किया जावेगा। उन्होंने बताया की प्रत्येक घर जाकर सभी व्यक्तियों में लक्षणों का पता लगाया जावेगा। जिले अंतर्गत ऐसे क्षेत्र जहां मितानिन कार्यरत नहीं है, ऐसे क्षेत्रों में निकट के पारा के मितानिन अथवा कुष्ठ मित्र, टीबी चैम्पियन, टीबी मितान या स्वयं सेवी व्यक्तियों की सेवायें ली जावेगी, एवं शहरी क्षेत्रों (मुख्यतः नॉनस्लम) में मितानिन की उपलब्धता नहीं है ऐसी क्षत्रों में यूएसडब्ल्यूसी के आरएचओ पुरुष एवम महिला की सेवा ली जावेगी। अभियान के दौरान टीबी चैम्पियन, टीबी मितान, कुष्ठ मित्र एवं स्वयंसेवी व्यक्तियों की सेवायें सर्वे कार्य एवं अभियान के सफल संचालन हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे. एल. उइके तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपील की गई है कि इस मानवीय कार्यक्रम में आगे बढ़कर अपना सहयोग प्रदान करें।

कलेक्टर मीणा के मार्गदर्शन में रेड क्रॉस शाखा के द्वारा विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

रंगोली, चित्रकला और निबंध के जरिए छात्र-छात्राओं ने दिया एड्स जागरूकता का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुष्पेन्द्र कुमार मीणा कलेक्टर व अध्यक्ष इंडियन रेडक्रास सोसायटी एवं अभय जायसवाल जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में एड्स दिवस के अवसर पर जूनियर रेडक्रास शाखा द्वारा एच.आई.व्ही./एडस् रोग के विषय में परिचर्चा कार्यक्रम के साथ-साथ विद्यालयों के जूनियर रेडक्रॉस के छात्र-छात्राओं हेतु निबंध प्रतियोगिता चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन शास.जे.आर.डी. उच्च. माध्य. विद्यालय दुर्ग के टैगोर हॉल में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में जुनियर रेडक्रॉस के द्वारा आयोजित पैदल रैली को जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय कुमार जायसवाल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली शहर के प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए एड्स जागरूकता संबंधी नारे लगाते हुए भ्रमण किये। विश्व एड्स दिवस के अवसर में श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा कलेक्टर व अध्यक्ष इंडियन रेडक्रास सोसायटी, डॉ. जे.पी. मेश्राम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व सचिव इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय कुमार जायसवाल, अमित घोष सहायक संचालक, तनवीर अकील सहायक जिला क्रीडा अधिकारी एवं डी.एस.पी. श्री मणिशंकर चन्द्रा को श्री आर.के साहू कार्यक्रम प्रभारी एवं वरिष्ठ काउंसलर श्रीमती सरिता अग्रवाल यूथ रेडक्रॉस के वालेण्टियर एवं काउंसलरों ने रेड रिबन लगाया । कार्यक्रम में दुर्ग से जिले से लगभग 400 जूनियर रेडक्रास के छात्र-छात्राएं एवं प्रभारीगण सम्मिलित हुए ।

विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग से कांउसलर श्रीमती राजेश्वरी साहू, श्री अभय ताम्रकर (एस.टी.आर.), श्रीमती भावनी सिन्हा, एवं श्रीमती लतीना उमरे के द्वारा एच.आई.व्ही./एड्स विषय पर छात्र-छात्राओं को एड्स रोग पर विस्तृत जानकारी, एड्स रोग फैलने के कारण, जागरूकता, नियंत्रण के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षकों ने जूनियर रेडक्रास के छात्र-छात्राओं के द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब प्रशिक्षकों के द्वारा उनकी जिज्ञासाओं को दूर किया गया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम को संगीता नायर प्राचार्य, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट जे.आर.डी., शास.उ.मा.वि. दुर्ग ने छात्र छात्राओं ने भी सम्बोधित किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का हुआ मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) बेंगलुरू के सहयोग से संचालित ज्व्त्म्छज् (टेलीमॉनिटरिंग फॉर रूरल हेल्थ ऑर्गेनाइजर ऑफ छत्तीसगढ़) प्रोजेक्ट के अंतर्गत सूरजपुर एवं बलरामपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) का मानसिक स्वास्थ्य पर चार दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से जूझ रहे लोगों की पहचान कर उन्हें समय रहते नजदीकी के स्वास्थ्य केंद्र एवम् जिला चिकित्सालय में संचालित स्पर्श क्लीनिक से जोड़ना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएस सिंह ने प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए बताया, कि निम्हांस बेंगलुरु की मास्टर ट्रेनर पुष्पा के. (सीनियर नर्सिंग इंफॉर्मेटिक्स) के द्वारा बैच 1 में 46 एवं बैच 2 में 45 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को मानसिक रोगी के पहचान हेतु स्क्रीनिंग एवं काउंसलिंग के साथ-साथ साइकोसोशल इंटरवेंशन, मरीजों के रेफरल एवम् फॉलोअप को सुदृढ़ किए जाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश मानसिक रोगियों को समय रहते पहचान कर सरकार द्वारा प्रदान की जा रही निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना और उन्हें सामान्य जीवन यापन करने की ओर प्रेरित करना भी है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) बेंगलुरू से आयीं मास्टर ट्रेनर पुष्पा के. ने बताया, शरीर के स्वास्थ्य के साथ दिमाग के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर किसी इंसान में नींद न आना, घबराहट, डर, बेचैनी, तनाव, हमेशा किसी बात की चिंता है, तो यह मानसिक बीमारी का लक्षण है। ऐसे में तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति को अकेले न छोड़ें। उनके साथ अच्छा व्यवहार करें और गीत-संगीत, योग, प्रेरक कहानियों के माध्यम से उन्हें अवसाद से बाहर निकालने का प्रयास करें। मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति रखने पर जोर देना चाहिए।

मानसिक रोग से जुड़ी आवश्यक जानकारी- शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य का निकट संबंध है। मानसिक विकार व्यक्ति के स्वास्थ्य संबंधी बर्तावों जैसे, समझदारी से भोजन करने, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, सुरक्षित यौन व्यवहार, मद्य और धूम्रपान निषेध, चिकित्सकीय उपचारों का पालन करने आदि को प्रभावित करते हैं।

देश के विकास की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर - डॉ.लक्ष्मी ध्रुव

श्रीकंचनपथ न्यूज

नगरी। जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आज स्थानीय आमातालाब रोड स्थित पंढरीराव कृदत्त इनडोर स्टेडियम में किया गया, जिसमें विभिन्न विधाओं में 950 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के विकास की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है और युवा पीढ़ी को दिशा देने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अनेक सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। सिहावा विधायक ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव युवा मितान क्लब का गठन कर युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा को तराशने के लिए प्लेटफॉर्म दिया है, जहां वे अपनी छिपी प्रतिभाओं को बाहर ला सके। इसी तरह प्रदेश के पारम्परिक खेलों को पुनर्जीवित करने सरकार छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक आयोजित कर हरसंभव कोशिश कर रही है। इस अवसर पर कलेक्टर पी.एस. एल्मा ने प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की पहल से छत्तीसगढ़ की पुरानी परम्पराओं को पुनर्जीवित करने ग्राम स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने का अनूठा प्रयास किया जा रहा है।

खास खबर

थाने के सामने युवक को चाकू मारकर फरार हुआ बदमाश, नशे की हालत में किया हमला

दुर्ग। शहर में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद है कि कोर्ट व थाने के सामने में बेखौफ अपराध को अंजाम दे रहे हैं। गुरुवार दोपहर को दुर्ग कोतवाली थाने के ठीक सामने जिला न्यायालय की नई बिल्डिंग के पास नशेड़ी बदमाश ने पेसी के लिए पहुंचे युवक को चाकू मारकर फरार हो गया। घटना के बाद घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे की बताई जा रही है।

दुर्ग कोतवाली थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया छावनी निवासी राहुल राजपूत (30) ने एक महिला को लेकर पेशी के लिए दुर्ग कोर्ट पहुंचा। पेशी के बाद व बाइक से भिलाई जा रहा था। इस दौरान एक युवक पहुंचा और चाकू लेकर उन्हें दौड़ा लिया। उसने राहुल के पैर में चाकू से वार किया तो वो बाइक से गिर गया। इसके बाद कुछ लोग उसे बचाने दौड़े आरोपी ने उनके ऊपर भी चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। टीआई ने कहा है नशेड़ी बदमाश की पहचान कर ली गई है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजधानी में तेज रफ्तार का कहर धमतरी निवासी 25 वर्षीय युवक की मौत

रायपुर (ए)। राजधानी में एक बार फिर तेज रफ्तार ने एक युवक की जान ले ली। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है जहां दो युवक मोटर सायकिल से कहीं जा रही थे तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने इन्हें टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि 25 वर्षीय युवक खुमेश्वर नौरंग की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर बैठा एक अन्य युवक घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

महिला से बलात्कार मामले में आरक्षक गिरफ्तार

बलरामपुर (ए)। जिले में एक महिला से बलात्कार के मामले में आरक्षक जुगेश्वर खलखो को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार किया है। आरक्षक पुलिस लाइन में पदस्थ था, दो दिन पहले ही महिला ने पुलिस में इसकी शिकायत की थी।

साथ ही जिले की राजपुर पुलिस की टीम ने ग्राम पंचायत बूढ़ाबगीचा से पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी कर लिया था और लगातार अपनी पहली पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था और उसे प्रताड़ित कर रहा था। वहीं एक अन्य मामले में बलरामपुर में एक महिला से बलात्कार के मामले में आरक्षक जुगेश्वर खलखो को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हड़ताल पर बैठे 'गांधी' ने दी आत्मदाह की चेतावनी आबकारी अफसरों की समझाइश भी नहीं आई काम

एक दिन पहले नशेड़ी ने किया था बेल्ट से हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में महात्मा गांधी की वेशभूषा में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे समाजसेवी युवक ने शुक्रवार को आत्मदाह की चेतावनी दी है। अनशन पर बैठे युवक को समझाइश देने आबकारी अफसर भी पहुंचे लेकिन उनकी समझाइश बेकार गई।आबकारी विभाग के अफसर गुरुवार की रात धरनास्थल पहुंचे और शराब दुकान हटाने के लिए तीन माह का समय मांगा और भरोसा दिलाया कि इस दौरान शराब की दुकान को हटा दिया जाएगा लेकिन युवक इसके लिए राजी नहीं हुआ। युवक ने चेतावनी दी है कि यदि शुक्रवार शाम तक दुकान नहीं हटी तो वह आत्मदाह कर लेगा।

बता दें नगर निगम के सरकंडा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 63-65 अरविंद नगर बंधवापारा में शराब दुकान संचालित है, जहां शराब दुकान है, वहीं पर स्कूल है। उसी जगह पर दिन और रात शराबियों के साथ ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इसके चलते स्कूली बच्चे और उनके पैरेंट्स के साथ ही मोहल्ले के लोग परेशान रहते हैं। मोहल्ले में शराब दुकान की वजह से मारपीट, चाकूबाजी के साथ ही छेड़खानी जैसी घटनाएं होती रहती है। शराब दुकान हटाने के लिए मोहल्ले के लोगों ने कलेक्टर से मांग की थी, कोई कार्रवाई नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है।

गांधी गांधी के भेष में युवक ने शुरू की थी भूख हड़ताल

स्कूल के पास से शराब की दुकान को हटाने के लिए लोगों ने आंदोलन शुरू किया। लोगों के इस आंदोलन को शहर में गांधी के रूप में पहचान बनाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता संजय आयल सिंघानी ने समर्थन दिया है, और भूख हड़ताल कर रहे हैं। उन्होंने धरनास्थल पर खुद की चिता बनाई है और उसमें लेटकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके साथ महिलाएं भी क्रमिक भूख हड़ताल कर रही है। संजय आयल सिंघानी ने चेतावनी दी है कि दो दिसंबर तक शराब दुकान हटाने के संबंध में फैसला नहीं लिया गया तो वह खुद अपनी चिता को आग लगाएगा और आत्मदाह कर लेगा।

एक दिन पहले किया था नशेड़ी ने हमला

गुरुवार की सुबह भूख हड़ताल पर बैठे संजय आयल सिंघानी पर बाइक सवार नशेड़ी युवक ने हमला कर दिया। वहां मौजूद पुलिसकर्मी ने बीच-बचाव किया और हमलावर युवक को पकड़ लिया। इस घटना के बाद मोहल्ले की महिलाएं आक्रोशित हो गई और पुलिस के खिलाफनारेबाजी शुरू कर दीं। इस मामले में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद आबकारी विभाग के अफसरों ने युवक को समझाया लेकिन युवक ने स्पष्ट किया कि शराब दुकान हटने के बाद ही हड़ताल समाप्त होगी।

युवक की आत्महत्याः मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने डीजीपी को दिया नोटिस

बिलासपुर (ए)। पुलिस द्वारा पिता की पिटाई से दुखी होकर युवक के आत्महत्यामामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान में लिया है। आयोग ने डीजीपी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। साथ ही पीड़ित के परिवार को दी गई सहायता की जानकारी मांगी। इधर तीसरे दिन गुरूवार की सुबह स्वजन ने शव लेकर युवक का अंतिम संस्कार किया है। बिल्हा क्षेत्र के भैंसबोड़ में रहने वाले हरिश्चंद्र गेंदले में सोमवार की रात ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इसकी जानकारी होने पर पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। इधर मंगलवार को स्वजन ने बिल्हा थाने में पदस्थ आरक्षक रूपलाल चंद्रा पर युवक के पिता से मारपीट और 20 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया। युवक के सामने ही उसके पिता की पिटाई के कारण युवक के आत्महत्या की बात कही। स्वजन ने आरक्षक रूपलाल चंद्रा को बर्खास्त करने और उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने की मांग की।

करंट लगने से हाथी की मौत, सो रहे वन विभाग को दो दिन बाद मिली जानकारी, अब बीट गार्ड को किया सस्पेंड

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में करंट लगने से हाथी की मौत हो गई। जिसके बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। हाथी की मौत के दो दिन बाद शव मिलने से खफा डीएफओ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एक बीट गार्ड को सस्पेंड कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के घरघोड़ा रेंज के अमलीडीह में एक हाथी की करंट लगने से मौत हो गई थी।

इस संबंध में वन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीते 18 व 19 नवंबर की

रात अमलीडीह जंगल में विद्युत तार की चपेट में आने से एक हाथी की मौत हो गई थी। मामले की जानकारी दो दिन बाद विभाग को लगी। घटना की जानकारी लगते ही प्रभारी डीएफओ सहित विभागीय अमला मौके पर पहुंचा और मामले में आगे की जांच शुरू की गई।

मामले में विभागीय जांच में परिसर रक्षक अमलीडीह सुशीला खड़िया द्वारा वन परिक्षेत्र अधिकारी को बिना सूचना दिए मुख्यालय छोड़ना पाया गया। इस तरह परिसर रक्षक को अपने कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है। मामले में घरघोड़ा रेंजर अधिकारी योगेन्द्र गंडेचा ने बताया कि संबंधित बीटगार्ड का बिलासपुर में ट्रेनिंग थी, लेकिन वह बिना किसी को सूचना दिए चली गई।

प्रेग्नेंट गर्लफ्रेंड को अबॉर्शन झोलाझाप डॉक्टर से कराया

इलाज के दौरान युवती की मौत हिरासत में प्रेमी और डॉक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिना शादी के प्रेग्नेट हुई गर्लफ्रेंड का झोलाछाप डॉक्टर से अबॉर्शन कराना प्रेमी को भारी पड़ गया। झोलाझाप डॉक्टर ने घर में युवती को रखकर ऐसा ट्रीटमेंट दिया कि उसकी मौत हो गई। जब युवती को परिजनों ने बेटी की लाश देखी तो दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रायपुर के मंदिर हसौद इलाके की है। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर और मृतका के प्रेमी ईश्वर को गिरफ्तार कर लिया है।

अपने ही गांव के युवक से प्रेम करती थी युवती

मिली जानकारी के अनुसार मंदिर हसौद थाना के तहत रीवा, लखोली गांव की रहने वाली 18 साल की युवती का इसी गांव के युवक से प्रेम संबंध था। प्रेमी-प्रेमिका के अंतरंग रिश्ते से युवती गर्भवती हो गई। इससे अविवाहित युवती घबरा

गई। इसके बाद प्रेमी अपनी प्रेमिका को लेकर गर्भपात कराने झोलाछाप डॉक्टर के यहां पहुंचा।

तीन दिन से घर पर रखा था युवती को

पुलिस ने बताया कि झोलाछाप डॉक्टर अपने ही घर पर गर्भवती युवती को तीन दिनों से रखकर गर्भपात कर रहा था। इसी दौरान युवती की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही युवती के परिजन आक्रोशित हो गए हैं।

घायल ठेकेदार की मदद के लिए रूके सब इंजीनियर को हाइवा ने मारी ठोकर, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव/अंबागढ़ चौकी। सड़क हादसे के शिकार ठेकेदार की मदद के लिए रूके एक सब इंजीनियर को तेज रफ्तार हाइवा ने जोरदार ठोकर मार दी। जिससे बुरी तरह घायल सब इंजीनियर की मौत हो गई। यह घटना अंबागढ़-चौकी थाना क्षेत्र के मेरेगांव के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी में पदस्थ सब इंजीनियर राजनांदगांव निवासी 35 वर्षीय नितिन लकड़ा की सड़क दुर्घटना में

बुधवार रात को मौत हो गई। वहीं इसके पहले हुए हादसे में रायपुर निवासी हर्ष जैन (30) को चोंटे आईं हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई है।

पुलिस ने बताया कि अंबागढ़ चौकी थाना अंतर्गत बुधवार की रात तकरीबन 10 बजे सब इंजीनियर लकड़ा अपने दोस्त के साथ कार क्रमांक सीजी 08 एएम 4082 से राजनांदगांव लौट रहे थे। तभी मेरेगांव के पास ठेकेदार हर्ष की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी दिखी, तो इंजीनियर ने उसकी मदद के लिए गाड़ी रोकी। इसी दौरान पीछे से आ रहे हाइवा के चालक ने कार को जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में नितिन को गंभीर चोट आई, उसे तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा है।

मौके से फरार हुआ हाइवा चालक

पुलिस ने बताया कि रात में कार को जोरदार ठोकर मारने के बाद हाइवा चालक मौके से फरार हो गया। हर्ष के बयान व शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात हाइवा चालक के खिलाफधारा 279, 337 व 304 ए के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। पुलिस अज्ञात हाइवा चालक की तलाश में जुटी हुई है।

डिग्गी में रुपए रख शराब लेने गया शख्स, पार हो गए 76 हजार रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस की तमाम कोशिशों के बाद भी शहर में उठाईगिरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में नंदिनी रोड़ चौरसिया होटल के पास एक एक्टिवा सवार उठाईगिरी का शिकार हो गया। दरअसल शख्स रुपए जमा करने हाउसिंगबोर्ड स्थित एसबीआई के सीडीएम जा रहा था। इस दौरान नंदिनी रोड शराब दुकान में दोस्त को पार्टी देने शराब निकालने गया और इधर उसके रुपए पार हो गया। शख्स को इसकी जानकारी बैंक के पास आने पर लगी। इस मामले में छावनी थाने में अज्ञात के

खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना जेपी चौक कैंप-2 निवासी श्याम कुमार यादव के साथ हुई। श्याम कुमार ने बताया कि इनके पिता राममिलन यादव ने 55000 रूपए बैंक में जमा करने दिए। इस दौरान इनका दोस्त ईश्वर 9000 अपने पास के 13000 कुल 77000 रुपए लेकर वही बैंक जा रहा था। रुपयो को ऑरेंज कलर के कैरीबैग में रखकर एक्टिवाकी डिग्गी में रखा था। इस दौरान अपने दोस्त ईश्वर के साथ हाउसिंग बोर्ड एसबीआई के सीडीएम मशीन तरफ जा रहा था।

रास्ते में इसका एक दोस्त विशु मिला और पार्टी देने बोला। तक श्याम कुमार शराब लेने नंदनी रोड के विदेशी शराब भट्टी गया। वहीं उसने डिग्गी से 500 रूपए निकालकर शराब खरीदा। इसके बाद चौरसिया होटल से चाय पार्सल कराने पहुंचा। होटल के बगल में अपनी एक्टिवा खड़ी कर और इसका दोस्त ईश्वर चाय पार्सल करवाने होटल गया और स्वयं गुटखा लेने चला गया। इसके बाद अपने दोस्त ईश्वर को केम्प 2 शीतला मंदिर भवन के सामने छोड़कर व विशु को शराब देकर अपने एक अन्य दोस्त विशाल को लेकर बैंक के लिए निकला। रास्ते में रुपए जमाने के लिए बैकुण्ठधाम मैदान में रुककर डिग्गी खोला तो उसमें रखे 76,500 कैरी बैग के साथ नहीं थे। इस मामले में छावनी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 379 के तहत मामला दर्ज कर जाचं शुरू कर दी है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग पर किया जुर्माना, दुकानदारो में मचा हड़कंप

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत इंद्रिरा मार्केट एवम हटरी बाजार में निगम प्रशासन ने दुकानदारों के द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन के प्रयोग किए जाने को लेकर के चेकिंग अभियान चलाया है, जिसमें प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग कर रहे दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन पर जुर्माना किया गया है। चेकिंग के दौरान इन दुकानदारो से पाया गया प्रतिबंधित पॉलीथिन-रोशन सोनी,प्लस्टिक दुकान से 2 हज़ार रुपए एवं पीके सिन्हा से 5 हज़ार रुपए जुर्माना लिया गया। इस कार्यवाही से प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है!दरअसल आपको बता दें कि प्रदेश सरकार ने प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।निगम के कर्मचारियों ने दुकानदारो पर प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया है जिसमें कई दुकानदार ऐसे मिले जो सरकार के सख्त निर्देश के बावजूद भी प्रतिबंधित पॉलिथीन और गिलासों का बिक्री और प्रयोग करते हुए मिले हैं जिनके विरुद्ध निगम ने विधिक कार्यवाही करते हुए जुर्माना किया है और दुकानदारों को सख्त निर्देश दिया है।कोई भी दुकानदार अपनी दुकान में ग्राहकों को प्रतिबंधित पॉलिथीन में सामग्री नहीं बेचेगा अगर ऐसा करता हुआ कोई भी दुकानदार पाया जाता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी प्रतिबंधित पॉलिथीन के विरुद्ध चलाए जा रहे चेकिंग अभियान को लेकर दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है।

वार्डों के निरीक्षण में निकले आयुक्त लक्ष्मण तिवारी, जो फैलाएंगे गंदगी उन्हें देना होगा जुर्माना

दुर्ग। नगर पालिक निगम।आज आयुक्त प्रशिक्षु आईपीएस लक्ष्मण तिवारी ने सुबह 6:30 बजे मॉनिग विजिट सफई व्यवस्था के लिए स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के साथ शहर सफ़ई को लेकर विभिन्न क्षेत्रों का धुआंधार दौरा किया। उन्होंने वार्ड 42 एवं 43 व 19 मैं डोर टू डोर कलेक्शन कार्य का निरीक्षण के उपरांत कसारीडीह रोड मुख्य मार्ग की सड़क सफ़ई कार्य का अवलोकन किया गया।उन्होंने नाली में गंदगी फैलाने वाले लोगों से जुर्माना वसूल किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्हें वार्ड 42 कसारीडीह मुख्य मार्ग चौक पर बिल्डिंग मटेरियल रखकर नाली जाम,दुकान के बाहर नाली में कचरा फैकने पर जुर्माना लेने के निर्देश दिया गया।आयुक्त ने सफ़ई दरोगा व सुपर वाईजारो को वार्डों की नाली व सड़क सफ़ई पर विशेष फोकस देने को कहा गया। कसारीडीह में नाली सफ़ई व्यवस्था पर सुपरवाइजरों पर नाराजगी जाहिर की। लगातार आयुक्त प्रशिक्षु आईपीएस लक्ष्मण तिवारी अमला के साथ संवेदनशील वार्डों में निरीक्षण कर रहे है। ऐसे में निगम आयुक्त ने संबंधित सफ़ई दरोगाओं को यह निर्देश जारी किया है कि जो लोग सड़क व नालियो पर कचरा फैलाते हैं उनका चिन्हांकन करते हुए संबंधितों से जुर्माना वसूल किया जाए। इस दौरान आयुक्त ने गीला व सूखा कचरा को अलग-अलग रखने को कहा। नागरिको एवं दुकानदारों के द्वारा दुकान बाहर सड़क व नालीयो पर कचरा फेंकने पर जुर्माना भी लगाने के निर्देश दिए । प्रमुख चौक, चौराहों एवं ठेला तथा गुमटी लगाने वाले लोगों को कचरा व्यवस्थित तरीके से डस्टबिन में रखने और स्वच्छता कर्मचारी को देने की हिदायत दी जा रही है। स्वच्छता अभियान से जुड़ने की अपील की जा रही है।

58 साल पहले हुआ था बीएसएफ का उदय

सीमांत मुख्यालय रिसाली में बीएसएफ ने मनाया 58 वां स्थापना दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसएफ के सीमान्त मुख्यालय रिसाली में गुरुवार को 58वां स्थापना दिवस मनाया गया। रिसाली स्थित महानिरीक्षक कार्यालय के प्रांगण में यहां के अधिकारी व जवानों के बीच स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान आईजी इंदराज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी ली और छत्तीसगढ़ में बीएसएफ की उपलब्धियों के बारे में बताया। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं आखिर बीएसएफके गठन की जरूरत क्यों पड़ी।

देश के आजाद होने के बाद भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर राज्य आर्म्ड पुलिस बल के द्वारा सुरक्षा प्रदान किया जाता था। 9 अप्रैल 1965 को गुजरात के कच्छ के इलाके में पाकिस्तान की सेना द्वारा भारतीय सीमा की चौकियों पर हमला किया गया। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान से लगी सीमाओं की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले एक अलग बल की स्थापना करने का निर्णय लिया। इसके चीफके रूप में के एफ रूस्तम को जिम्मा दिया गया। के एफ रूस्तम ने 1 दिसंबर 1965 को विश्व के सबसे बड़ी सीमा सुरक्षा बल का गठन किया। इसके गठन को आज 58 वर्ष पूरे हो चुके है। बीएसएफ भारत की पूर्वी सीमा पर बांग्लादेश बॉर्डर के साथ उत्तरी पूर्वी राज्यों में काउन्टर इंसर्जेंसी ऑपरेशन को भी अंजाम दे रही है तथा पश्चिमी सीमा पर अडिग एवं दृढ़ निश्चय के साथ रात दिन अपनी डयूटी कर रहा है। इसके अलावा देश के अन्दर होने वाले प्रकृतिक आपदायें, नक्सल समस्या, देश एवं विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनाव के दौरान भारत सरकार द्वारा दी गयी हर जिम्मेदारी को दृढता के साथ निभाते हुए हर कदम पर अपनी वीरता का परिचय दिया है। बीएसएफ न सिर्फ देश के बाहरी दुश्मनों से लोहा लेती है बल्कि जरूरत पड़ने पर देश के भीतर घुसे देशद्रोहियों को भी कुचलने में अपनी जान की परवाह नही करता है। एक ओर जहां बीएसएफके जवान अपनी जान की बाजी लगाकर देश को नक्सल मुक्त बनाने में लगे है वही दूसरी ओर समाज एवं प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए कांकेर के दूरदराज में फैले गांवों में गरीबों एवं विद्यार्थियों को जरूरत की चीजें मुहैया कराना, गांव को गोद लेना, मुफ्त चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना, बेरोजगार युवाओं को स्किल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के तहत रोजगार प्रशिक्षण देना, ट्राइबल यूथ प्रोग्राम के तहत आदिवासी बच्चों को भारत भ्रमण में ले जाना और प्रदेश की संस्कृति को देश के समक्ष रखना इत्यादि कार्य करके उनका जीवन स्तर बढ़ा रहे है। नक्सली समस्या से लड़ने के लिये छत्तीसगढ़ में फ्रन्टीयर मुख्यालय स्पेशल आप्रेशन सीमा सुरक्षा बल की तैनाती एक सेक्टर एवं 06 बटालियन के साथ दिनांक 07 फरवरी 2013 को हुई थी।

यहां एक फ्रंटियर, 02 सेक्टर एवं 08 बटालियन तैनात है। बीएसएफने छत्तीसगढ़ में अपने कठिन प्रयासो के फलस्वरूप कांकेर जिले में सक्रिय 106 हार्डकोर नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराकर देश की मुख्यधारा में जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। 11 दुर्दान्त नक्सलियों को मार गिराया तथा 1082 नक्सलियों को गिरफ्तार किया और 543 से अधिक आईईडी (जिन्दा बम्ब) की बरामदगी कर सुरक्षा बलों एवं आम जनता को भारी नुकसान होने से भी बचाया है।

2009 में छत्तीसगढ़ पहुंची बीएसएफ

आईजी इंदरराज सिंह ने बताया कि 2009 में छत्तीसगढ़ में आंतरिक समस्या से जूझने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को कांकेर जिला में तैनात किया गया। कांकेर के अति बीहड़ो एवं दूरस्थ ग्रामीण तथा जंगली इलाके में बीएसएफकी टुकडियाँ कठिनाईयों से लड़ते हुए तैनात हुई। धीरे-धीरे गांव वालों का भरोसा जीतने में बीएसएफने कामयाबी हासिल की फ्लस्वरुप लोंगो के दिल में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जिला कांकेर के अतिसंवेदनशील इलाके में सरकार द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों जैसे सड़क निर्माण कार्य, माइनिंग प्रोजेक्ट, रेल प्रोजेक्ट तथा मोबाईल टॉवर निर्माण कार्यो में सुरक्षा प्रदान कर रही है।

दुर्ग, भिलाई ग्रामीण क्षेत्र के 223 बकायेदारों के कनेक्शन कटे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र में बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए व्यापक स्तर पर बकाया वसूली अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में दुर्ग एवं भिलाई ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत मॉस डिस्कनेक्षन अभियान के दौरान एक ही दिन में 222 बकायेदार उपभोक्ताओं से 01 करोड़ 49 हजार रुपए की वसूली की गई। समझाइष के बाद भी बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 223 बकायेदारों की बिजली लाईन काट दी गई। उल्लेखनीय है कि विभागीय संचारण-संधारण संभाग दुर्ग एवं संचारण-संधारण संभाग भिलाई के अंतर्गत अंडा, बघेरा, ननकट्ठी, धमधा, गुण्डरदेही, नगपुरा, ऊतई, कुम्हारी, अहिवारा एवं जामुल वितरण केंद्र में विद्युत विच्छेदन एवं बकाया वसूली के लिए सहायक अभियंता, कनिश्ठ अभियंता एवं लाइन स्टॉफकी टीम गठित कर एकदिवसीय विषेश अभियान चलाया गया।

जन समस्या निवारण शिविर में अब तक 423 आवेदनों का हुआ निराकरण, निगम के विभिन्न क्षेत्रों में हितग्राही ले रहे लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नागरिकों की समस्यायों का निराकरण करने के लिए भिलाई के विभिन्न क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। 28 नवंबर से प्रारंभ हुए शिविर में अब तक 423 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शिविर स्थलों में समस्यायों को लेकर लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रखा गया है।

सभी जोन आयुक्त शिविर स्थलों का निरीक्षण कर जायजा ले रहे है। वहीं अधिकारी/कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है, जो आवेदक से आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्यायों का निराकरण कर रहे है। जो समस्या त्वरित रूप से हल हो सकती है उसका समाधान शीघ्र किया जा रहा है।

शिविर में इन विषयों को लेकर कर सकते हैं आवेदन: जन समस्या निवारण शिविर में राशन कार्ड, श्रम विभाग पंजीयन मजदूर कार्ड, नया आधार कार्ड एवं सुधार, आयुष्मान कार्ड, नये पट्टा, पेंशन, विद्युत संधारण, भवन नियमितीकरण, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने एवं मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों के लिए आवेदन किया जा सकता है।

इन स्थानो पर लगेगा शिविर - दिनांक 02.12.2022 को वार्ड क्रं. 05 कोसा नगर सांस्कृतिक भवन, वार्ड क्रं. 15 अम्बेडकर नगर अम्बेडकर भवन, वार्ड क्रं 32 बैकुण्ठधाम स्वास्थ्य विभाग सुन्दर नगर, वार्ड क्रं. 42 गौतम नगर मदरसा रोड सामुदायिक भवन, वार्ड क्रं. 61 सेक्टर 06 पूर्व नगर निगम कार्यालय, दिनांक 05.12.2022 को वार्ड क्रं. 06 प्रियदर्शिनी परिसर संजय नगर शितला मंदिर, वार्ड क्रं. 15 अम्बेडकर नगर अम्बेडकर भवन, वार्ड क्रं. 33 संतोषी पारा केम्प 02 बैकुण्ठधाम स्वास्थ्य विभाग, वार्ड क्रं. 43 बापू नगर अम्बेडकर भवन, वार्ड क्रं. 62 सेक्टर 06 ई-मार्केट के सामने मंच, दिनांक 06.12.2022 को वार्ड क्रं. 07 राधिका नगर सियान सदन, वार्ड क्रं. 16 सुपेला सामुदायिक भवन दुबे पशु आहार के पास, वार्ड क्र. 34 वीर शिवाजी वार्ड सांस्कृतिक भवन दुर्गा पारा केम्प 02, वार्ड क्रं. 44 लक्ष्मी नारायण नगर जलाराम मंदिर, वार्ड क्रं. 63 सेक्टर 06 पश्चिम ई-मार्केट के सामने मंच में शिविर सुबह प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक आयोजित होगा।

सीए ब्रांच द्वारा कॉमर्स छात्रों के लिए सुपर मेगा कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच द्वारा कॉमर्स छात्रों के लिए सुपर मेगा कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। भिलाई ब्रांच की सिकासा टीम द्वारा कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर में कॉमर्स संकाय के छात्रों के लिए इस काउंसिलिंग का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा उन्हें सीए कोर्स के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

भिलाई सिकासा ब्रांच के चेयरमेन सीए राहुल बत्रा ने जानकारी देते हुए भिलाई सीए ब्रांच द्वारा कृष्णा पब्लिक स्कूल में छात्रों के मार्गदर्शन के लिए कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए अलंकार समादार, जो कि स्वयं एक चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी एवं कॉस्ट एकाउंटेंट भी हैं, उन्होंने छात्रों को सीए कोर्स से जुड़ी सभी विशेष बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कई प्रेरणात्मक प्रसंग भी बताये। कार्यक्रम में ब्रांच चेयरमेन सीए प्रदीप पाल ने भी उपस्थित छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम में कृष्णा पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सविता त्रिपाठी भी उपस्थित थीं।

सिकासा चेयरमेन सीए राहुल बत्रा ने इस दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए सफलता की परिभाषा बताई। उन्होंने कहा कि सफलता कोई मंजिल नहीं, बल्कि यह एक यात्रा है, जो निरंतर चलती रहती है और इसमें सदैव उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीए पायल जैन, सीए अंकेश सिन्हा, सीए प्रियेश लेखवानी, ईशा अग्रवाल, पलक गर्ग, सिद्धांत सिंह सहित लगभग 1000 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीए रिती अग्रवाल ने किया।

नगर चौपाटी का हो रहा है कायाकल्प, जल्द जनता को किया जाएगा समर्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत नगर चौपाटी का हो रहा है कायाकल्प कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के दिए गए दिशा निर्देश पर गुरुवार आज आयुक्त प्रशिक्षु आईएएस लक्ष्मण तिवारी व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने नगर चौपाटी का निरीक्षण कर नगर चौपाटी में कार्य प्रारंभ स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों, आमजनों और चौपाटी के दुकान संचालकों से चौपाटी के अपग्रेडेशन के विषय में चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को ऑर्किटेक्ट से बात कर चौपाटी के अपग्रेडेशन हेतु किया गया प्लान के हिसाब से जल्द से जल्द कार्यो को पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने चौपाटी की सुंदरता बढ़ाने के लिए ओपन एयर थियेटर का अपग्रेडेशन कर व्यवस्थित लॉन का निर्माण करने, पार्क में सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त करने हेतु सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति, बाउंड्रीवाल की मरम्मत करने, फुड स्टॉल की संख्या 30 से बढ़ाकर 150 करने, टॉय बोट लाइन की मरम्मत, पेवर ब्लॉक लगाने, पेच वर्क और हाई मास्ट लाईट लगाने के निर्देश दिए अनावश्यक पेड़ो को काटने के साथ साथ गुमटी दुकानों पर रंगरोहन करवाने को कहा गया। साथ उन्होंने कहा कि चौपाटी के अंदर चारो ओर बिजली के लटके हुए तारो को हटवाकर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कार्यपालन अभियंता एसडी शर्मा,थानसिंह यादव,निज आयुक्त शुभम गोइर,ठेकेदार देव कुमार जंघेल सहित अन्य मौजूद रहें।

पीड़ित परिवार को आहत होने से बचाया एमआईसी ने बढ़ाए मदद के लिए हाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी की व्यवस्था करने महापौर परिषद के सदस्य चन्द्रभान ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे व पार्षद चन्द्रप्रकाश सिंह निगम ने सराहनीय कदम उठाया। चारों जनप्रतिनिधियों ने न केवल आनन फानन राशि एकत्रीत की और लकड़ी की व्यवस्था की। निगम प्रशासन के साथ बैठ जनप्रतिनिधियों ने इस तरह की अव्यवस्था को दूर करने चर्चा भी की।

मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार करने लकड़ी खत्म होने की सूचना मिलते ही महापौर परिषद के सद्स्य व पार्षद अपने-अपने स्तर पर पहल करना शुरू कर दिया। एमआईसी अनुप डे ने स्वयं के व्यव से 4000 की लकड़ी खरीदकर उमरपोटी से मुक्तिधाम पहुंचाया। वहीं गोविन्द चतुर्वेदी, चन्द्रभान ठाकुर व चन्द्रप्रकाश सिंह निगम ने रामनगर पहुंचकर न केवल लकड़ी खरीदा, बल्कि लकड़ी को मुक्तिधाम पहुंचाया।

नि:शुल्क लकड़ी उपलब्ध कराता है निगम

:रिसाली मुक्तिधाम का संचालन नगर पालिक निगम करता है। यहां अंतिम संस्कार करने वाले पीड़ित परिवार को नि:शुल्क लकड़ी उपलब्ध कराया जाता है। इसकी मॉनिटरिंग एमआईसी सदस्य द्वारा किया जाता है। गुरूवार को स्थिति उस समय बिगड़ गई जब शव का अंतिम संस्कार करने लकड़ी के खत्म होने की सूचना निगम अधिकारियों को मिली।

एक के बाद एक पहुंचा चार शव

निगम के मुक्तिधाम में गुरूवार को एक के बाद एक, चार शव अंतिम संस्कार के लिए लाया गया था। सुबह 11 बजे निगम के अधिकारी लकड़ी की व्यवस्था नेवई लकड़ी टाल से किए। वहीं लकड़ी खत्म होने पर जनप्रतिनिधियों ने लकड़ी व्यवस्था करने प्रयास शुरू किए। मुक्तिधाम में लकड़ी खत्म होने की सूचना अचानक सुबह मिली। चुंकि मामला बेहद संवेदनशील था इसलिए सम्यक प्रयास कर लकड़ी की व्यवस्था की गई। यही वजह है कि किसी तरह की अव्यवस्था मुक्तिधाम में नहीं हुई। शुक्रवार सुबह तक 15 टन लकड़ी की व्यवस्था कर ली गई है।

बच्चों की अटेंडेंस की रोज गूगलशीट में होगी एंट्री

दुर्ग। स्कूली बच्चों की अटेंडेंस की रोज गूगलशीट में एंट्री होगी। इसकी रिपोर्ट रोज डीईओ कलेक्टर को भेजेंगे। स्कूलों में अटेंडेंस के ट्रेंड की समीक्षा होगी और इसे ठीक करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। यह निर्देश कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि अच्छे रिजल्ट के लिए और बेहतर लर्निंग के लिए बढ़िया अटेंडेंस होनी जरूरी है। समीक्षा उपरांत जिन स्कूलों में अटेंडेंस कम पाई गई, उनमें पेरेंट्स टीचर मीटिंग और अन्य माध्यमों से बच्चों के नियमित अटेंडेंस के लिए कार्य किया जाएगा। कलेक्टर ने मासिक टेस्ट के साथ ही साप्ताहिक टेस्ट कराने के निर्देश भी दिये। सर्वोत्तम रिजल्ट कैसे आये, वर्कशाप में अपने अनुभव साझा करेंगे शिक्षक-कलेक्टर ने बीते तीन साल में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल के नतीजों की समीक्षा की और रिजल्ट बेहतर करने कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में अच्छे रिजल्ट आये हैं और जिन शिक्षकों ने काफी अच्छे नतीजे लाये हैं।

निगम ने बुलडोजर से सड़क के किनारे से अतिक्रमण को हटाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार आज आयुक्त प्रशिक्षु आईएएस लक्षण तिवारी के उपस्थिति में राजेन्द्र पार्क चौक से होते हुए सिन्धी कालोनी होकर स्टेशन रोड और ग्रीन चौक तक निगम प्रशासन ने बुलडोजर से सड़क के किनारे से अतिक्रमण को हटाया जा रहा है।

दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी, नही हटाने पर कार्रवाही के लिए दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होंगे...

इसके साथ ही शहर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर लगातार आयुक्त प्रशिक्षु आईएएस लक्ष्मण तिवारी के निर्देश पर नगर निगम द्वारा बाजारों एवं अन्य क्षेत्रों में मुनादी कर अतिक्रमणकारी दुकानदारों से अपना अतिक्रमण हटाने की अपील की जा रही है।

अतिक्रमण नहीं हटाने की स्थिति में नगर निगम दुर्ग द्वारा व्यापक अभियान चलाकर अतिक्रमण खाली कराने की चेतावनी दी जा रही है। इस दौरान निगम प्रशासन के द्वारा दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। निगम ने शहर के मुख्य जगहों के साथ प्रमुख चौराहों पर निगम द्वारा मुनादी कराई गई। मौके पर नगर निगम ने दुकानदारों से उनके दुकान के सामने सड़क पर हुए अतिक्रमण को खुद हटाने एवं किसी भी सूरत में यातायात को प्रभावित नहीं होने देने की अपील की। निगम अधिकारियों ने इस संबंध में बताया कि दुकानदारों से कहा गया है कि वे अपनी दुकान से अतिक्रमण हटा लें।

इसके बाद जिन दुकानों के सामने अतिक्रमण पाया जाएगा। उन्हें अभियान चलाकर हटाया जाएगा और संबंधित दुकानदार के विरुद्ध उचित कार्रवाई भी की जाएगी। इसके लिए दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होंगे। शहर के मुख्य मार्ग स्टेशन रोड से नाली के ऊपर अतिक्रमण,दुकान के बाहर साइन बोर्ड को जेसीबी व गैस कटर के माध्यम से काटकर हटवाया जा रहा है। कार्रवाही के मौके पर एसडी शर्मा, शिव शर्मा, विनोद मांझी, दुर्गेश गुप्ता,शुभम गोइर,मनोहर गोस्वामी,संकेत धर्माकर सहित अतिक्रमण टीम अमला मौजूद रहें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950